चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 190 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

भोपाल

03 जनवरी 2025 शुक्रवार

आज का मौसम

27 अधिकतम

10 न्यूनतम

बीपीएससी परीक्षा मामला भड़का, पटना में ट्रेनें रोकीं

पटना, एजेंसी

बिहार में बीपीएससी के उम्मीदवारों का प्रदर्शन अब उग्र भी हो रहा ह;। यह स्टूडेंट 13 दिसंबर से धरने पर हैं। अभ्यर्थियों की मुख्य मांग है कि 70वीं प्रारंभिक परीक्षा रद्द की जाए। इधर, कैंडिडेट्स के समर्थन में सांसद पप्पू यादव ने आज बिहार बंद बुलाया और पप्पू समर्थक सुबह सचिवालय हाल्ट रेलवे स्टेशन पहुंचे तथा ट्रेन को रोका और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को ट्रैक से हटाया और ट्रेन को रवाना किया गया। दूसरी तरफ जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर आमरण अनशन पर बैठ गए हैं।

मैदानी मप्र में सर्दी से आंशिक राहत, पहाड़ों पर तापमान शून्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का असर लगातार बना हुआ है मगर मैदानी मप्र में आज सर्दी का असर थोडा कम नजर आया। भोपाल समेत अधिकांश जिलों में धूप खिली और तापमान भी थोडा चढ गया है। आज दिन में तापमान 24 तक पहुंचने की संभावना है। उधर हिमाचल प्रदेश मे बर्फबारी के बाद से प्रदेश के 5 क्षेत्रों का पारा माइनस में पहुंच गया है। हिमाचल के ताबो का न्यूनतम तापमान -14.7 डिग्री, समदो का -9.3 डिग्री, कुकुमसैरी -6.9 डिग्री, कल्पा का -2 और मनाली का 2.8 डिग्री दर्ज किया गया। देश के 14 राज्यों में घने कोहरे का भी असर है। अमृतसर में जीरो विजिबिलिटी के कारण एयरपोर्ट बंद किया। दिल्ली एयरपोर्ट पर भी आज सुबह विजिबिलिटी 50 मीटर दर्ज की गई।

एंबुलेंस ब्रेकर पर उछली तो मुर्दे की सांसें लौटीं, पैदल घर लौटे!

कोल्हापुर, एजेंसी

महाराष्ट्र के कोल्हापुर से एक 'चमत्कारिक घटना' सामने आई। यहां 65 साल के एक बुजुर्ग पांडुरंग उल्पे की हार्टअटैक से मौत के बाद जब घर के लोग बुजुर्ग के शव को एंबुलेंस के जरिए घर ला रहे थे तो रास्ते में एंबुलेंस एक स्पीड ब्रेकर से गुजरी तो शव समेत एंबुलेंस में बैठे लोगों को झटका लगा और देखा कि मृत घोषित बुजुर्ग पांडुरंग की सांसें अचानक चलने लगीं। यानि पांडुरंग उल्पे के लिए सड़क पर बना एक स्पीड ब्रेकर जीवन रक्षक साबित हुआ। उनके परिवार ने देखा कि उनकी उंगलियां हिल रही हैं। फिर तत्काल उन्हें वापस दूसरे अस्पताल ले जाया गया, वहां उनकी एंजियोप्लास्टी हुई। अब उल्पे अस्पताल से पैदल घर लौटे।

कला उत्सव व राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की राजधानी में हुई शुरूआत, 700 बाल वैज्ञानिक जुटे

मुख्यमंत्री ने कहा- बच्चों की क्षमता पहचानने कला व विद्या को एक साथ देखने की जरूरत

भोपाल.दोपहर मेट्रो

राजधानी में आज कला उत्सव व बाल विज्ञान कांग्रेस की शुरूआत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह सुखद सहयोग है कि प्रधानमंत्री ने 2015 में कला उत्सव प्रारंभ करवाने का निर्णय लिया, जिससे स्कूली छात्रों की कला को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। मुख्यमंत्री ने गुरूकूल पद्धति का भी उल्लेख किया, जिसमें कला और विद्या को एक साथ देखा जाता था। उन्होंने भगवान कृष्ण के जीवन से जुड़ी कई कलाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि बांसुरी वादन, विराट स्वरूप और योग विद्या जैसी कलाएं भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं।। उन्होंने भारतीय कला और संस्कृति की महिमा को साझा करते हुए कहा कि भारत देश का इतिहास बहुत समृद्ध है, और इस देश में मृत्यु के बाद को 'शांत होना' कहा जाता है, जो हमारी संस्कृति और आस्था को दर्शाता है।

वैज्ञानिकों का जमावड़ा

मुख्यमंत्री ने आज बाल विज्ञान कांग्रेस की शुरूआत के साथ वराहमिहिर वेधशाला के ऑटोमेशन का भी उद्घाटन किया। इससे लोग घर बैठे खगोलीय अध्ययन कर सकेंगे। यह पहल मध्यप्रदेश को खगोल विज्ञान के क्षेत्र में नई पहचान भी दिलाएगी। यह चार दिवसीय आयोजन 6 जनवरी तक चलेगा, जिसमें भारत के विभिन्न राज्यों से 700 से अधिक बाल वैज्ञानिक, शिक्षक और मेंटर्स भाग ले रहे हैं। इसके अलावा खाडी देशों बहरीन, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब से भी बाल वैज्ञानिक अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस वर्ष का मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना÷ रखा गया है। यह कार्यक्रम बच्चों में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और उन्हें समाज की समस्याओं के समाधान में नवाचार का उपयोग करने के लिए प्रेरित करने के लिये है। कार्यक्रम के दौरान चंद्रयान मिशन, रोबोटिक्स, हाईड्रोपोनिक्स, वॉटर रॉकेटरी, पर्यावरण पर आधारित प्रदर्शनी और लोक गीत जैसे कई आयोजन भी होंगे। वैज्ञानिक डॉ. चेतन सोलंकी, डॉ. नंद कुमार और डॉ. चैतन्य पूरी बच्चों के साथ संवाद करेंगे।

जहरीला कचरा मामले में पीथमपुर बंद पर भोपाल की नजर

इंदौर। पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने का विरोध सडकों पर नजर आ रहा है। हालांकि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कल ही साफ कर दिया था कि इस कचरे में जहर की मात्रा अब नहीं है और इसे वैज्ञानिकों की देखरेख में नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने इसके मामले के विरोध को भी गलत बताया था। इसके बावजूद आज पीथमपुर को बंद कराया गया है। कुछ लोगों ने बस स्टैंड इलाके में सड़क पर बाइक पटककर जाम लगाने की कोशिश की तो पुलिस ने हलका लाठीचार्ज कर उनको वहां से खदेड़ दिया। इससे पहले आयशर चौराहे पर रैली निकालने की कोशिश कर रहे लोगों को भी पुलिस ने हटाया। एसडीएम प्रमोद कुमार गुर्जर ने बस स्टैंड पर धरना दे रहे जनप्रतिनिधियों से बात की है। यहां सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार भी पिछले 12 घंटे से मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल गैस कांड का जहरीला कचरा पीथमपुर के सीने पर लाकर रख दिया गया है, जो पूरी तरह गलत है। वहीं स्थानीय किसान संदीप रघुवंशी 2 जनवरी से ही आमरण अनशन पर हैं। पीथमपुर के विरोध-प्रदर्शन में बच्चे भी शामिल हो रहे हैं। उनके हाथ में पर्यावरण बचाओ, पीथमपुर बचाओ की तख्तियां हैं।

कल सीएम ने विरोध को बताया था अनावश्यक

सावधानी बरत रही कंपनी

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के कचरे को नष्ट करते समय पीथमपुर के कचरा भस्मक संयंत्र के आसपास वायु गुणवत्ता यंत्रों से हवा की निगरानी की जाएगी। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा रि-सस्टेनेब्लिटी कंपनी के परिसर के चारों और चार यंत्र लगाए गए हैं। इसके माध्यम से वायु में धूल कण के साथ, गैस व अन्य तत्वों की जांच की जाएगी। इसके अलावा कंपनी द्वारा परिसर में पहले ही एक वायु गुणवत्ता मापने के लिए कंटीन्यूअस एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन परिसर में लगा है। इसके आंकड़े 24 घंटे कंपनी मुख्य गेट पर डिस्पले होते हैं।

आत्मदाह की कोशिश

पीथमपुर में यूका का कचरा जलाए जाने के विरोध में आंदोलन कर रहे राजू पटेल और राजकुमार रघुवंशी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को प्राइवेट वाहन से इंदौर के निजी अस्पताल भेजा गया है। इससे भड़के आंदोलनकारी रामकी एनवायरो इंडस्ट्रीज जाने की कोशिश करने लगे तो पुलिस ने बैरिकेडिंग करके उन्हें रोका।

परिवहन मामले में कुछ और विकेट गिरने के आसार

सौरभ का विदेश से लौटने का इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में परिवहन चौकी पर हुए 'घोटालों' के मामले में नया मोड़ आ गया है। लोकायुक्त, आयकर व ईडी की जांच टीमें बरामद कागजातों व कथित लाल डायरी में से वह नाम खंगाल रही हैं जिनके चलते सौरभ शर्मा व उनके साथी इतनी बड़ी हैसियत तक पहुंच गये। इस बीच एक चौंकाने वाले फैसले में सरकार ने परिवहन आयुक्त डीपी गुप्ता को हटा दिया है। उनकी पदस्थापना 11 महीने पहले की गई थी। सौरभ मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव का यह पहला बड़ा कदम है। अब कुछ और अधिकारियों को हटाने और विभागीय जांच की संभावना बढ गई है। इस छापे के बाद कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए सरकार को घेरा था। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भ्रष्टाचार को लेकर कुछ लोगों पर नामजद आरोप लगाए थे।

परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा व करीबियों के यहां लोकायुक्त छापे में लगभग 100 करोड़ रुपये की संपत्ति मिलने के बाद सरकार के इस फैसले को कई तरह से व्याख्या की जा रही है। गुप्ता के स्थान पर अब 1998 बैच के आइपीएस एडीजी विवेक शर्मा को परिवहन आयुक्त बनाया है।

बताया जाता है कि सौरभ शर्मा के साथ काम करने वाले चार साथी आरक्षक भी ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल में पूरी तरह सक्रिय थे। जिन-जिन चेक पोस्टों का ठेका सौरभ के पास था ऐसी चेकपोस्टों पर प्रबंधन का काम ये साथी संभालते थे।सौरभ के साथी डमी पोस्टिंग कराने में भी माहिर थे, चेक पोस्ट पर अधिकारी की तैनाती कागजों में कर दी जाती थी और मौके पर निजी व्यक्तियों से काम कराया जाता था। इन चारों आरक्षक- धनंजय चौबे, हेमंत जाटव, नरेंद्र सिंह भदौरिया और गौरव पाराशर की पूरे परिवहन विभाग में धाक थी। इस तरह वसूली के खेल को पूरे सेटअप के साथ चलाया जाता था।

इमरजेंसी: चीन में फिर नया वायरस बच्चे हुए शिकार

बीजिंग, एजेंसी

कोविड के पांच साल बाद चीन में फिर एक बार नए वायरस का संक्रमण फैल रहा है। इसके लक्षण भी कोरोना वायरस की तरह ही है। इस नए वायरस का नाम ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। चीन के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के मुताबिक इसके लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना और गले में घरघराहट शामिल हैं। दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर दावा किया गया है कि चीन ने वायरस के फैलने के बाद कई जगहों पर इमरजेंसी घोषित कर दी है। हालांकि, चीन की तरफ से ऐसी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

बिना टेलिस्कोप के दिखेगा दुर्लभ नजारा

आज हंसियाकार चंद्रमा व चमकते शुक्र की जोड़ी आसमान पर दिखेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आज शाम को एक अद्भुत खगोलीय घटना का नजारा आसमान पर दिखाई देगा। पश्चिमी आकाश में सूर्य के अस्त होने के तुरंत बाद, हंसियाकार चंद्रमा और चमकते हुए शुक्र ग्रह की जोड़ी देखने को मिलेगी। यह खगोलीय घटना बिना किसी टेलिस्कोप के भी अपनी आंखों से देखी जा सकेगी। खगोलविद सारिका घारू ने कहा है कि शुक्र और चंद्रमा एक-दूसरे के करीब, लगभग 2 डिग्री के अंतर पर होंगे, जिसे तकनीकी रूप से %एपल्स% कहा जाता है। यह खगोलीय जोड़ी क्षितिज से कुछ ऊंचाई पर दिखाई देगी और बाद में धीरे-धीरे नीचे की ओर आ जाएगी। इस दृश्य को सूर्यास?त के बाद लगभग तीन घंटे तक देखा जा सकेगा। इस समय चंद्रमा का मैग्निट्यूड माइनस 10.7 और शुक्र का माइनस 4.4 होगा, जिससे यह दृश्य और भी शानदार नजर आयेगा। यह खगोलीय जोड़ी शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक देखी जा सकती है, इसलिए इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेने के लिए लोग यदि किसी खुले स्थान पर जाकर उसे देखेंगे तो आकाश की यह दुर्लभ घटना बहुत साफ नजर आयेगी।

मेट्रो एंकर | मुंबई में मिले कला के कद्रदान, कुल 5 करोड़ में बिकीं चार पेंटिग्स

मंडी कलम की 16वीं सदी की पेंटिंग 3 करोड़ में नीलाम

शिमला, एजेंसी

देश में संस्कृति और कला के कद्रदान अभी भी हैं। इसका उदाहरण हाल में सामने आया जब हिमाचल की सांस्कृतिक राजधानी व छोटी काशी कही जाने वाली मंडी शहर की सदियों पुरानी पेंटिग्स 4 करोड़ 98 लाख में नीलामी हुई। यह नीलामी मुंबई के पुंडोल्स स्थित नीलामी घर में हुई। मंडी कलम की पेंटिंग्स सदियों पुरानी हैं और मौजूदा समय में किसी संग्रहालय के अधीन थीं। संग्रहालय के माध्यम से इन पेंटिंग्स को नीलामी के लिए रखा गया था। मंडी कलम की एक पेंटिंग तो 3 करो? में बिकी है, जो 16वीं सदी की है। इसमें राजसी महिलाओं को चित्रित किया गया है। दूसरी पेंटिंग 85 लाख में बिकी, जो कि 18वीं सदी की है और इसमें मंडी शहर के गंधर्व जंगल वाले क्षेत्र को चित्रित किया गया। तीसरी पेंटिंग 80 लाख में बिकी है, जिसमें मंडी में मनाई जाने वाली होली को चित्रित किया गया है यह भी 18वीं सदी की है। चौथी पेंटिंग 28 लाख में बिकी जिसमें एक राजकुमार और महिला को पे? के पास ख?ा दिखाया गया है। यह पेंटिंग 17वीं सदी की है। मीडिया रिपोर्ट के मुतबिक 9 वर्षों से मंडी कलम पर काम कर रहे राजेश कुमार ने कहा है कि यह मंडी की उस प्राचीन कला का सम्मान है, जो शायद आज के आधुनिक युग में खो सी गई है। राजेश ने बताया कि मंडी कलम की चित्रकारी प्राकृतिक रंगों, गिलहरी की पूंछ के बालों से बनी तूलिका से और हाथों से बने कागज पर की जाती है. यह एक छोटे प्रकार की पेंटिंग होती हैं, जिसमें एक छोटे से चित्र में पूरी कहानी कहने का प्रयास किया जाता है।

जीआई टैग की दरकार

मंडी कलम और टांकरी लिपि के संरक्षण पर काम कर रहे मंडी के पारूल अरो?ा बताते हैं कि आज कांग?ा की प्राचीन कला को जीआई टैग मिल चुका है, जिससे यहां की पेंटिंग्स को विश्व स्तर पर एक अलग पहचान मिल रही है। हाल ही में कांगड़ा में संपन्न हुए जी-20 सम्मेलन में भी कांगड़ा कलम के चित्रों को ही उपहार स्वरूप दिया गया था। मंडी कलम को भी इसी प्रकार से जीआई टैग मिलने की जरूरत है. इसके लिए सरकार, प्रशासन और विभागीय स्तर पर अधिक प्रयास किए जाने चाहिए.

गिलहरी की पूंछ के बाल से ब्रश: मंडी कलम प्राकृतिक रंगों की अदभुत कला है. राजशाही के दौर में कुछ कलाकार ऐसे थे, जो प्राकृतिक रंगों और गिलहरी की पूंछ के बालों से तैयार किए गए ब्रश से चित्रों को उकेरते थे. यह चित्र एक तरह से जीवंत प्रतीत होते थे. पहाड़ी चित्रकला के चित्र वेद, पुराणों, रामायण, महाभारत, काव्य, राजाओं-रानियों इत्यादि से संबंधित मिलते हैं. पहाड़ी चित्रकला के कलाकारों को ग्रंथों की अच्छी जानकारी होती थी. मंडी कलम के संरक्षण तथा संवर्धन की आवश्यकता है. कुछ कलाकार इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

विज्ञान कांग्रेस कार्यक्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रविंद्र भवन में विज्ञान कांग्रेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

निजी स्कूल नहीं कर सकेंगे मनमानी शिकायत मिली तो होगी एफआईआर

जिला प्रशासन ने स्कूल प्रवेश, यूनिफार्म सहित पुस्तकों को लेकर जारी किए आदेश

वेबसाइट पर जानकारी अपलोड करने के साथ ही हार्ड कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी को 15 तक भेजनी होगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

निजी स्कूलों की मनमानी के मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन ने एक बार फिर प्रवेश, यूनिफार्म सहित पुस्तकों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने धारा-144 के तहत पाबंदी लगाते हुए आदेश दिए हैं कि किसी भी स्कूल या शैक्षणिक संस्थान ने अभिभावक पर यूनिफॉर्म-बुक के लिए दबाव डाला तो नियमानुसार एफआईआर दर्ज की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि दवाब बनाए जाने से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के पेरेंट्स में नाराजगी होने के साथ तनाव की स्थिति भी बनती है। इसलिए दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा-144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। यह आदेश राजधानी के एमपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई सहित सभी निजी स्कूलों पर लागू होंगे।

लेखक एवं प्रकाशक के नाम, मूल्य भी करना होंगे सार्वजनिक

स्कूल संचालक आगामी शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पहले अनिवार्य रूप से लेखक एवं प्रकाशक के नाम, मूल्य के साथ कक्षा वार पुस्तकों की सूची स्कूल के सूचना पटल पर प्रदर्शित करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा मांगने पर सूची उपलब्ध कराई जाए। स्कूल प्रबंधक और प्राचार्य अपने स्कूल में प्रत्येक कक्षा में लगने वाली पाठ्यपुस्तकों एवं प्रकाशक की जानकारी को वेबसाइट पर 15 जनवरी तक अनिवार्यतः अपलोड करेंगे। इसके साथ ही हार्ड कॉपी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करानी होगी।

किताबों का पूरा सेट खरीदने के लिए भी बाध्य नहीं किया जा सकता

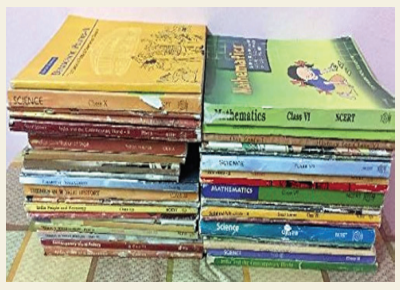

जारी आदेश के तहत अब शहर के निजी स्कूल सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के संचालक स्टूडेंट्स या पेरेंट्स को निर्धारित दुकानों से ही यूनिफॉर्म, जूते, टाई, किताबें, कॉपियां खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे। न ही किताबों के पूरे सेट खरीदने के लिए बाध्य किया जा सकेगा। किसी भी प्रकार की शिक्षण सामग्री पर स्कूल का नाम अंकित नहीं होना चाहिए। कहीं से भी पुस्तकें या यूनिफॉर्म व अन्य आवश्यक सामग्री क्रय की जा सकती है।

यूनिफॉर्म में कोई परिवर्तन तो वह 3 शैक्षणिक सत्रों तक यथावत रहेगा

किताबों के अतिरिक्त स्कूलों द्वारा यूनिफॉर्म, टाई, जूते, कॉपियां आदि भी उपलब्ध और विक्रय कराने का प्रयास नहीं किया जाएगा। स्कूल यूनिफॉर्म में कोई परिवर्तन किया जाता है तो वह आगामी 3 शैक्षणिक सत्रों तक यथावत लागू रहेगा। निजी स्कूल प्रबंधन परिवहन सुविधाओं के संबंध में परिवहन विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों का पालन करेगा। प्रत्येक स्कूल में कक्षाओं में प्रवेश की प्रक्रिया एवं प्रवेश किस दिनांक से दिनांक तक होंगे, की सूचना का प्रचार-प्रसार करना अनिवार्य होगा।

लंबे समय से जारी है समस्या, हल किसी के पास नहीं

रेलवे स्टेशन पहुंचने के रास्ते बंद, दौड़ लगा रहे मुसाफिर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लंबे समय से राजधानी के मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-6 तक जाना रेल यात्रियों के लिए परेशानी भरा हो गया है। रोज उनकी फजीहत हो रही है क्योंकि करीब 100 मीटर से ज्यादा तो लोगों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ रहा है। निजी वाहनों से आने वालों को तो 500 मीटर से ज्यादा पैदल चलना पड़ रहा है। वजह यह कि रेलवे ने अल्पना तिराहे से लोगों को पैदल जाने का रास्ता दिया है। मगर किसी भी वाहन को अंदर नहीं जाने दिया जा रहा। यहां पर बैठे कर्मचारी यात्रियों को निजी वाहन लेकर जाने से रोक देते हैं। इसके उलट ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा को अंदर कैंपस में पार्किंग दी गई है। यह यात्रियों के स्टेशन से निकलने के बाद उनके पीछे पड़ जाते हैं और ऑटो में चलने के लिए मजबूर करते हैं। खास बात यह है कि रास्ता बंद करने को लेकर ट्रैफिक पुलिस ने कई बार आपत्ति जताई है लेकिन कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं दे रहा। रेल्वे का कहना है कि अनाधिकृत पार्किंग हटाने के लिये कहा जा रहा है। वहीं इन हालातों में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्लेटफॉर्म नंबर-6 के सामने

दुकानें हटाने के पहले स्टेशन पर अल्पना तिराहे से आने और जाने वाले दोनों रास्ते बंद कर दिए थे। इसके बाद से ही यह रास्ते बंद है। इतना ही नहीं नादरा बस स्टैंड से स्टेशन तक आने वाला रास्ता भी बंद है जबकि निर्देश कम से कम रास्ते बंद करने के थे। उल्लेखनीय है कि मेट्रो प्रोजेक्ट के चलते शहर में कई जगहों के रास्ते बंद किए गए हैं। इसको लेकर ट्रैफिक पुलिस के साथ विवाद की स्थिति भी बनती रही है। इसी के चलते एक महीने पहले मेट्रो एमडी ने सभी रूट का निरीक्षण कर अधिकारियों को कम से कम रास्ते बंद करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि बहुत जरूरी होने पर ही रास्ता बंद करें। इसकी सूचना भी पहले से ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से सार्वजनिक करें। अब मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जा रहा है। जल्द ही एक अतिरिक्त मार्ग खोलेंगे।

साईं बाबा निकले नगर भ्रमण पर

साईं सेवा समिति ने नए साल के पहले दिन बुधवार यानी एक जनवरी को संतनगर में साईं बाबा की पालकी निकाली। 11 साल पहले साल के पहले दिन साईं बाबा की पालकी की शुरूआत हुई थी। पालकी की शुरूअता माता मंदिर सीहोर नाका से साईं बाबा पालकी में सवार होकर नगर भ्रमण को निकले। पालकी के आगे विशिष्ठजन एवं साईं के भक्त भजनों पर नाचते हुए चल रहे थे। संत कंवरराम चौराहा, आरा मशीन रोड से होती हुई पालकी माता मंदिर पहुंची, जहां प्रसादी वितरण किया गया। पालकी में कृष्णा सिंह, शंकर मालवानी, महेश चन्द्र त्रिपाठीपार्षद अशोक मारण, भाजपा उपाध्यक्ष राम बसंल, भाजपा नेता विकास मारण हीरो इसरानी व बड़ी संख्या में साईं भक्त शामिल हुए।

26 को कोलार मे होगा 'मां तुझे प्रणाम'

भोपाल। भारतमाता की आराधना एवं देशभक्ति से ओतप्रोत मध्यप्रदेश के देशभक्ति के कार्यक्रम मां तुझे प्रणाम का आयोजन निरंतर 15 वें वर्ष मे गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को शाम 5 बजे कोलार मे जे के हॉस्पिटल के सामने मुख्य चौराहे पर भारत माता की विशाल महाआरती से प्रारम्भ करके होगा। मां तुझे प्रणाम के आयोजक मां वैष्णोदेवी उत्सव एवं जानकल्याण समिति, भोपाल के अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर शाम 5 बजे हजारों दीपको से भारतमाता की विशाल महाआरती से माँ तुझे प्रणाम कार्यक्रम प्रारम्भ होगा जिसमे देशभक्ति गीत एवं नृत्य की भव्य प्रस्तुति के साथ सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समिति अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया की मां तुझे प्रणाम का आयोजन इस वर्ष कोलार के जेके हॉस्पिटल के सामने मुख्य चौराहे पर पूरी भव्यता से किया जाएगा जिसमे भव्य आतिशबाजी होंगी और भारतमाता के भव्यता से जयकारे लगाए जाएंगे। मां वैष्णोदेवी उत्सव एवं जानकल्याण समिति द्वारा 2011 से निरंतर माँ तुझे प्रणाम का आयोजन 26 जनवरी की शाम को किया जाता है।

नए वर्ष का अर्थ है हर क्षण को सार्थक बनाना: सुदीक्षा

निरंकारी भोपाल जोन की सभी ब्रांचों में विशेष सत्संग

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नववर्ष केवल 2024 से 2025 का नबंर परिवर्तन है। वास्तविकता में यह केवल इंसानी मस्तिष्क की बनाई गई अवधारणा है। निरंकार ने समय और सृष्टि को बनाया है, जिसमें अलग-अलग ग्रहों पर समय की अलग अवधारणा होती है इसलिए, नये वर्ष का अर्थ है हर क्षण को सार्थक बनाना। यह उद्गार निरंकारी माता सुदीक्षाजी ने सत्संग सभा में व्यक्त किए। नववर्ष पर भोपाल जोन के सभी ग्रुपों में सभा का आयोजन किया गया। बैरागड़ में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों दीं। माता सुदीक्षाजी ने सत्संग में कहा, निरंकार को हर कार्य में सम्मिलित कर आध्यात्मिक जागृति और सच्ची खुशी का विस्तार संभव है। उन्होंने कहा कि सच्ची खुशी और आनंद केवल निरंकार में समाहित है। इस नये वर्ष में हमें अपने जीवन को ऐसा बनाना है कि हम हर व्यक्ति तक इस सच्चाई को पहुंचा सकें। हमें अपने जीवन को इस तरह ढालना है कि हर पल, हर कार्य में निरंकार की महत्ता को समझ सकें। सेवा, सुमिरण और संगत का वास्तविक अर्थ तभी प्रकट होगा, जब हम इसे दिल से अपनाएंगे। केवल मित्रता या सामाजिक दबाव के कारण अपनी आध्यात्मिकता में परिवर्तन नहीं करना चाहिए। सच्चे मन और जागरूकता से ही हम अपने जीवन को निरंकार से जोड़ पाएंगे।

सत्य की राह को नकार रहे

राजपिता ने कहा कि आज के समय में समाज और मानव जीवन से परमात्मा की उड़ीक (जिज्ञासा) धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। लोग परमात्मा के अस्तित्व पर संदेह कर रहे हैं और सत्य की राह देखने के बजाय उसे नकारने में लगे हैं। यह स्थिति केवल इसलिए है क्योंकि कई लोग परमात्मा को पाने का दावा करते हैं, लेकिन सच्चे प्रयास नहीं करते।

मेट्रो एंकर यात्रियों की छूट जाती है ट्रेनें, मार्ग का चौड़ीकरण जरूरी

स्टेशन मार्ग पर जाम में फंस रहे यात्री, मेन रोड पर बस, ऑटो का जाम

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संतनगर स्टेशन से आने और जाने वाले यात्रियों का जाम में फंसना तय है। कई बार तो मेन रोड से स्टेशन तक जाने वाले यात्रियों की जाम में फंसने के कारण ट्रेन तक छूट जाती है। स्टेशन मार्ग सकरा होने और दोनों ओर कब्जे होने से जाम के हालात बनते हैं, जो ट्रेन आने के समय और गंभीर हो जाते हैं। स्टेशन के बाहर ऑटो वालों के बेतरतीब खड़ा होने और स्टेशन के अंदर यात्रियों को बुलाने के कारण एंट्रेस पर यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। स्टेशन से आगे बढ़ते हुए मेन रोड की ओर जाने और आने वाले यात्रियों को स्टेशन तिराहे पर लाल बस, मैजिक व बैटरी वाले ऑटो के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है। दुकानदारों के अतिक्रमण और दुकानों के सामने अवैध वाहनों की पार्किंग के कारण मार्ग संकरा हो गया है।

पार्किंग न होने से समस्या

अमृत स्टेशन योजना में स्टेशन पर विकास कार्य चल रहे हैं, जिसके चलते रेलवे परिसर में पार्किंग बनाई जा रही है। फिलहाल स्टेशन के बाहर वाहनों का भी जाम भी लग रहा है। तीसरा प्लेटफॉर्म बनने और ट्रेनों का स्टॉपेज बड़ना तय है, आने वाले समय जाम की समस्या और गहराएगी।

मेन रोड पर भी परेशानी भारी

स्टेशन से मेन रोड पर आने वाले यात्रियों को तिराहे पर वाहनों के जाम में फंसना पड़ता है। यात्रियों के इंतजार करने वाले ऑटो चालक तब तक आगे नहीं बड़ते जब तक सवारियां न मिल जाएं। कॉरिडोर को हटाने के बाद से यहां पर ताल बस, मैजिक, बैटरी ऑटो वाले मनमाने तरीके से वाहनों को खड़ा कर रहे हैं, जिससे पूरा रास्ता बंद हो रहा है।

फाइल फोटो

सीएम की मंत्री, एसीएस-पीएस को दो टूक

गांवों में रात काटकर लोगों की समस्याएं दूर करें अफ़सर

सीएम ने इंदौर–नर्मदापुरम संभाग की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंत्री और उनके विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों को दो टूक कहा कि वे गांव जाएं, वहां रात काटे, लोगों को सुने, जनप्रतिनिधियों से बात करें और उनकी समस्याओं को दूर करें। जब ऐसा करेंगे तो शिकवा–शिकायतों की जरुरतें कम हो जाएंगी। काम करने में आसानी होगी। जनता, जनप्रतिनिधि भी खुश रहेंगे। दफ्तरों में कोई लाइन लगातर मिलने के लिए इंतजार नहीं करेगा। यह प्रभावी तरीके से लागू होना चाहिए।

सीएम गुरुवार को इंदौर, नर्मदापुरम संभाग की समीक्षा कर रहे थे। जिसमें संबंधित संभागों, जिलों के मंत्री, विधायक, सांसद, अधिकारी वर्चुअली जुड़े थे। जबकि विभागों के एसीएस, पीएस व सचिव प्रत्यक्ष शामिल हुए थे।

सीएम ने नर्मदापुरम संभाग की समीक्षा में निर्देश दिए

- जनप्रतिनिधि जनता से जुड़े कार्यों को पूरा कराने में विशेष रूचि लें।
- विधायक अपने संभाग के प्रभारी अपर मुख्य सचिव को विधानसभा क्षेत्र के 5-5 प्रमुख बड़े निर्माण कार्यों सहित अन्य प्रस्ताव लिखित में दें। सरकार सभी निर्माण कार्यों को समय पर पूरा कराएगी और प्रस्तावों पर समुचित निर्णय लेगी।

- जनप्रतिनिधि जनता के बीच जाएं और उनसे जनकल्याण पर्व व अभियान के उद्देश्यों और लक्ष्यों के बारे में व्यक्तिशः जानकारी लें।
- जिन विधायकों ने अब तक अपनी विधानसभा क्षेत्र का विजन डाक्यूमेंट (विकास का रोडमैप) तैयार नहीं किया है, वे यह काम पूरा करें और मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजें।
- विधायक सोहागपुर की माखननगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन कर 50 बेड स्वीकृत करने की मांग पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को कार्रवाई के निर्देश दिए।
- बनखेड़ी में शासकीय आईटीआई केंद्र खोले जाने की मांग पर तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई करने के लिए कहा।
- सोहागपुर एवं माखन नगर के साथ अन्य विभागों के नवीन कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए की मांग पर प्रमुख सचिव को कार्रवाई के निर्देश दिए।

सीएम ने इंदौर संभाग की बैठक में ये निर्देश दिए

- संभागों के प्रभारी अपर मुख्य सचिवों को फील्ड पर जाने और जिलेवार समीक्षा बैठक करें। इससे सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र की प्रमुख मांगों एवं संवदेनशील विषयों को रखने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।
- सभी कलेक्टरों से कहा कहे कि वे अब विधानसभावार समीक्षा बैठक करें। जिले के सभी विधायकों से चर्चा करें और उनके विधानसभा क्षेत्र का विजन डॉक्यूमेंट बनाने में सहयोग भी करें।
- सीएम राइज स्कूलों के निर्माण की समीक्षा में कहा कि पुराने मंजूर सीएम राइज स्कूलों का जितना भी निर्माण कार्य अभी शेष है, पहले उन्हें विशेष प्राथमिकता से पूरा कर लिया जाए। इसके बाद नये सीएम राइज स्कूलों के निर्माण का प्रस्ताव लिए जाए।
- जल संसाधन विभाग की समीक्षा में खंडवा जिले की ताप्ती-चिल्लूर वृहद सिंचाई परियोजना के बारे में जानकारी दी गई। इस पर खंडवा जिले के हरसूद से विधायक एवं जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने मुख्यमंत्री से इस परियोजना को जल्द से जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द से जल्द इस पर काम शुरू किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई, तो वे स्वयं महाराष्ट्र शासन से भी इस परियोजना के संबंध में चर्चा करेंगे।
- इंदौर संभाग में जल जीवन मिशन के कामों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें। जल जीवन मिशन सीधा जनता से जुड़ा अभियान है। किसी भी तरह की कमियां बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कमियां पूरी करने के लिए 20 जनवरी की डेडलाइन तय की है।
- विधायकों को अपने क्षेत्र के विकास का विजन डॉक्यूमेंट (रोडमैप) बनाएं। क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ जन समस्याओं के निराकरण को लेकर जन-संवाद करें।
- कलेक्टर एवं जिला अधिकारी रैन बसेरों का औचक निरीक्षण करें। जरूरतमंदों को कंबल एवं गर्म वस्त्र प्रदाय करें।
- इंदौर-उज्जैन के वर्तमान फोरलेन को बनाया जाएगा सिक्स लेन।
- लोगों से कहा कि अपने सुझाव परिसीमन आयोग को दें, बड़ी ग्राम पंचायतों को नगर परिषद में बदलने के प्रस्ताव भी दें।

सागर में लहरें.. दो दिन में दो बड़े दिग्गज सीएम से मिलने पहुंचे

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के सामने पूर्व मंत्री ने नहीं कराया था सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सागर की राजनीति को लेकर फिर से राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। ये चर्चाएं बीते दो दिनों में सीएम डॉ. मोहन यादव से हुई सागर के दो बड़े दिग्गजों की चर्चा के बाद शुरू हुई हैं। सबसे पहले पूर्व मंत्री एवं खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह ने सीएम से बुधवार मुलाकात की थी। यह जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आई थी। दूसरे ही दिन गुरुवार को पूर्व मंत्री एवं रहली विधायक और कद्दावर नेता गोपाल भार्गव मिलने पहुंचे, 20 मिनट की मुलाकात हुई।

एक घटना ने चढ़ा दिया था सागर का राजनीतिक पारा: सागर के कुछ नेता बीते कुछ महीने से सुर्खियों में है। इसमें भूपेंद्र सिंह का नाम सबसे उपर बताया जा रहा है। हाल ही में उन्होंने मंच पर स्वागत कराने से इंकार कर दिया था। तब सीएम डॉ. मोहन यादव व उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी मंच पर थे। सिंह यहीं नहीं रूके, उन्होंने मंच से कहा कि बैनर में भले ही उनका नाम नहीं है, लेकिन जनता के दिल में उनका नाम रहना चाहिए। सिंह इसके पूर्व भी कांग्रेस से भाजपा में आए नेताओं पर सीधा निशाना साध चुके हैं। मंत्री गोविंद सिंह का नाम लिए बिना उन्होंने कह दिया था पार्टी जो भी करे, लेकिन वह कभी कांग्रेस से आने वालों को स्वीकार नहीं कर सकते। सूत्रों के मुताबिक सागर की राजनीति में अभी भी सबकुछ ठीक नहीं हुआ है। बताया जाता है कि ऐसे ही कई मुद्दों को लेकर सिंह व भार्गव ने सीएम से मुलाकात की।

सीएम यादव का कल पहली बार लटेरी में नागरिक अभिनंदन होगा

सिरोंज। मुख्यमंत्री मोहन यादव कल लटेरी तहसील पहुंच रहे हैं। विधायक उमाकांत शर्मा के आग्रह पर वे पहली बार क्षेत्र में आ रहे हैं। इस मौके पर जनकल्याण की योजनाओं को साकार रूप प्रदान करने के लिए यहां उनका नागरिक अभिनन्दन किया जाएगा। विधायक शर्मा ने देर रात्रि में सिरोंज मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक की। उन्होंने कहा कि यह दौरा स्वयं मुख्यमंत्री ने तय किया है ओर सिरोंज लटेरी विधानसभा को वह अनेक सौगातें भी दे सकते हैं। उन्होंने सभी वार्ड स्तर के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं तथा हितग्राहियों को इस आयोजन में सहभागिता करने के लिए आग्रह भी किया है। उल्लेखनीय है कि स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा सिरोंज को जिला बनवाने, रेल लाइन स्वीकृत करवाने के साथ क्षेत्र में युवाओं को रोजगार के लिए उद्योग लगवाने हेतु काफी लंबे समय से प्रयासरत है। इसके अलावा वे क्षेत्र की अनेक योजनाओं की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री से भेंट कर अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर चुके हैं। इन समस्त बिंदुओं को दृष्टिगत रखते हुए अचानक से प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा विदिशा जिले की सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र के प्रथम दौरा कार्यक्रम तय किए जाने से उत्साह का वातावरण देखा जा रहा है।

संपादकीय

बेकाबू हिंसा, माफी और मणिपुर

पिछले करीब डेढ़ साल से जातीय हिंसा की चपेट में आकर छटपटा रहे मणिपुर को अपनी समस्या के समाधान का बेसब्री से इंतजार है। इतने वक्त से मणिपुर जल रहा है लेकिन हल ढूंढने में न तो केंद्र ने और न ही राज्य की सरकार ने कभी राजनीतिक इच्छाशक्ति का इजहार किया है। अलबत्ता हाल में राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा इन सभी पर माफी मांगने और नये साल में हालात सुधरने की उम्मीद जताने वाला घटनाक्रम बहुत राहत नहीं ?देता। अब गृह मंत्रालय की ताजा रपट से यह स्पष्ट है वर्ष 2023 में समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हुई हिंसा में से 77 फीसद घटनाएं मणिपुर में हुईं। वहां बहुसंख्यक मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में सैकड़ों नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान गई। महिलाओं पर अत्याचार के जिस तरह के वीडियो आए, वे किसी भी सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा थे। वहां तीन मई, 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा भड़क उठी। हिंसा का दौर अभी भी जारी है। जबकि सरकार का दावा है कि बीते कुछ महीनों से स्थिति नियंत्रण में है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में हुए जातीय संघर्ष के लिए माफी मांगी और सभी समुदायों से पिछली गलतियों को भूलने तथा एक साथ रहने की अपील की तो इसमें भी लोगों को कुछ नये संदेश व संकेत नजर आते है। वजह यही है कि इतने लंबे वक्त तक हिंसा का जख्म इस बयान से भर नहीं सकते। प्रदेश में हुए जातीय संघर्ष में 250 से अधिक लोगों की जान चली गई है और हजारों लोग बेघर हैं। यह याद रखा जाएगा कि जब मणिपुर में हिंसा की कई घटनाएं सुर्खियां बनीं, तब बीरेन सिंह या केंद्र की सरकार के स्तर पर चुप्पी रही। विपक्षी कांग्रेस तो अब तक यह सवाल पूछ रही है कि प्रधानमंत्री मणिपुर को लेकर चुप क्यों हैं? वे दुनिया भर की यात्रा कर रहे हैं, लेकिन मणिपुर जाने से परहेज क्यों करते हैं। वहां स्थिति से निपटने में अक्षमता के बावजूद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह सत्ता में बने रहे, उनकी पार्टी उनके साथ हठपूर्वक खड़ी रही। इस मामले में दुनियाभर में भारत की छवि धूमिल हुई। अब जबकि, वहां का समाज बुरी तरह से बंट गया और समरसता दूर की कौड़ी हो गई है, बीरेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। केंद्र सरकार ने वहां के लोगों को भरोसे में लिए बगैर दो फैसले लिए, जो विवादित रहे, भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाना और मुक्त आवागमन व्यवस्था खत्म करना। इन फैसलों का मणिपुर में कई आदिवासी संगठनों ने विरोध किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने वहां की स्थिति पर स्वत-संज्ञान लेते हुए निगरानी और जांच समितियां गठित कर दी थीं। उसमें बाहरी राज्यों के पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया। उम्मीद बनी थी कि हिंसा की हकीकत जल्द ही सामने आएगी। मणिपुर कोई इतना बड़ा और जटिल राज्य नहीं है कि वहां की स्थितियों से निपटना मुश्किल हो। विवाद भी एक भ्रम की वजह से पैदा हुआ था। अगर सरकार संजीदा होती, तो दोनों समुदाय के लोगों को आमने-सामने बैठाकर हल निकाल चुकी होती। शांति बहाली के लिए सभी पक्षकारों का आम सहमति पर आना जरूरी है। वहां जिस तरह से विवाद में जंगल और जमीन का मुद्दा, अवैध प्रवासियों की समस्या, नशीले पदार्थों की तस्करी का जाल और दूसरे कानूनी पहलू उभरते चले गए हैं, उससे स्पष्ट है कि गतिरोध कई मोर्चे पर है और सिर्फ भावनात्मक बातों से काम नहीं चलेगा। संवेदनशील पहल सबसे बडी जरूरत है।

दिल्ली चुनावों पर 'रेवड़ी कल्चर' का खतरनाक साया

■ ललित गर्ग

दिल्ली विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक सरगर्मी उग्र से उग्रतर होती जा रही है। आम आदमी पार्टी मतदाताओं को लुभाने की कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव से पहले अब आम आदमी पार्टी ने एक ऐसी लुभावनी, मतदाताओं को आकर्षित करने की योजना की घोषणा की है जिसके अन्तर्गत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा साहिब के ग्रंथियों को 18 हजार रुपए महीने दिए जाएंगे। इस योजना का नाम पुजारी-ग्रंथी योजना है। मुस्लिम धर्म एवं उनके अनुयायियों को रिझाते-रिझाते एकदम से केजरीवाल को हिन्दू धर्म के पुजारी एवं सिख धर्म के ग्रंथी क्यों याद आ गये? विडम्बना है कि विभिन्न राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार बांटने, तोहफों, लुभावनी घोषणाएं एवं योजनाओं की बरसात करने का माध्यम बनते जा रहे हैं। बजट में भी 'रेवड़ी कल्चर' का स्पष्ट प्रचलन लगातार बढ़ रहा है, खासकर तब जब उन राज्यों में चुनाव नजदीक हों। 'फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने का हथियार हैं। यह एक राजनीतिक विसंगति एवं विडम्बना है जिसे कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक पार्टियां राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकती है। अरविन्द केजरीवाल ने तो दिल्ली में अपनी हार की संभावनाओं को देखते हुए सारी हदें पार कर दी है। बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेय या भाजपा की ही नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल सरकारी खजानों का उपयोग आम मतदाता को अपने पक्ष में करने के लिये करता है।

'मुफ्त की सौगात' राजनीतिक फायदे के लिए जनता को दाना डालकर फंसाने वाली पहल है, एक तरह से दाना डालकर मछली पकड़ने जैसा है। ऐसी सौगातें सिर्फ गरीबों के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए होती है, जिसके पीछे आम आदमी पार्टी के संयोजक जैसे राजनेताओं का एकमात्र उद्देश्य देश में अपनी और अपनी पार्टी का प्रभुत्व स्थापित करना है। केजरीवाल के द्वारा चुनावों में मुफ्त की घोषणाएं करना कोई नया चलन नहीं है। अपने देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जताई थी। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं। कई बार तो वे अपात्र लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देने के वादे कर देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। यदि कोई नेता या राजनीतिक दल गरीबों को कोई सुविधा मुफ्त देने का वादा कर रहा है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि वह उसके लिए धन कहां से लाएगा? अनेक अर्थशास्त्री मुफ्त उपहार बांटकर लोगों के वोट खरीदने की खतरनाक प्रवृत्ति के प्रति आगाह कर चुके हैं, लेकिन उनकी चिंताओं से नेता बेपरवाह हैं। वे यह देखने को तैयार ही नहीं कि अनाप-शनाप चुनावी वादों को पूरा करने की कीमत क्या होती है और उनसे आर्थिक सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है।

रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। दिल्ली में महिलाओं एवं किन्नरों को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा की घोषणाएं की गयी है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल करोड़ों रुपये तक का नुकसान हुआ है। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। लेकिन केजरीवाल ने ऐसी विकृत राजनीति को जन्म दिया है, जिसमें विकास पीछे छूट गया है। राजनीतिक दलों में ऐसी 'मुफ्त की संस्कृति' की प्रतिस्पर्धा का परिणाम अनुसंधान एवं विकास व्यय, स्वास्थ्य व शिक्षा व्यय और रक्षा व्यय में कमी के रूप में देखने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। पिछले दस वर्षों में दिल्ली का विकास ठप्प है। हम दक्षिण कोरिया के रास्ते पर चलकर भविष्य में एक विकसित अर्थव्यवस्था बनेंगे या हमेशा एक 'विकासशील राष्ट्र' बने रहेंगे, यह हमारे द्वारा अभी चुने गए विकल्पों से निर्धारित होगा। ऐसी मुफ्त की सुविधा, सम्मान एवं लोकलुभावन की घोषणाओं से कहीं हम पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की तरह अपनी अर्थ-व्यवस्था को रसातल में न ले जाये?

आप सुप्रीमो ने केवल आप सरकारों बल्कि विपक्षी दलों को अपने राज्यों में पुजारियों-ग्रंथियों को सम्मान राशि देने जैसे परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे नई योजना में बाधा न डालें, ऐसा करके वे भगवान को क्रोधित करेंगे। भला राजनीतिक स्वार्थ की रोटियों के बीच भगवान कहां से आ गये? शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत योजनाएं तो ठीक से चला नहीं पाते, अच्छे-भले सम्पन्न एवं निष्कंटक जीवन का निर्वाह करने वाले लोगों के लिये मुक्त की सुविधाएं कैसे कल्याणकारी हो सकती है? पंजाब विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा की थी, क्या हुआ उस योजना का? दिल्ली में 250 से अधिक इमामों को 17 महीने से अधिक समय से वेतन नहीं मिला है। मुफ्त बिजली एवं पानी देने की घोषणाएं भी ठण्डे बस्ते में चली गयी। ऐसी अनेक घोषणाएं हैं जो चुनावी मुद्दा तो बनती है, मतदाताओं को लुभाती है, लेकिन चुनाव जीतने के बाद धरती पर उतरती कभी नहीं। सभी राजनीतिक दलों की बड़ी लुभावनी घोषणाएं होती हैं, घोषणा पत्र होते हैं-जनता को पांच वर्षों में अमीर बना देंगे, हर हाथ को काम मिलेगा, सभी के लिए मकान होंगे, सड़कें, स्कूल-अस्पताल होंगे, बिजली और पानी, हर गांव तक बिजली पहुंचाई जायेगी, शिक्षा-चिकित्सा निःशुल्क होगी। ये राजनीतिक घोषणाएं पांच साल में अधूरी ही रहती है, फिर चुनाव की आहट के साथ रेवडियां बांटने का प्रयत्न किया जाता है, कितने ही पंचवर्षीय चुनाव हो गये और कितनी ही पंचवर्षीय योजनाएं पूरी हो गई पर यह दुनिया का आठवां आश्चर्य है कि कोई भी लक्ष्य अपनी समग्रता के साथ प्राप्त नहीं हुआ।

खुशहाल देश और समाज वही माना जाता है, जहां लोग निजी उद्यम से अपने गुजर-बसर संबंधी सुविधाएं जुटाते हैं। खैरात पर जीने वाला समाज विपन्न ही माना जाता है। लोग भी यही चाहते हैं कि उन्हें कुछ करने को काम मिले। इसी से उन्हें संतोष मिलता है। मगर हकीकत यह है कि देश में नौकरियों की जगहें और रोजगार के नए अवसर लगातार कम होते गए हैं। सरकारों की तरफ से ऐसे अवसरों को बढ़ाने के व्यावहारिक प्रयास न होने की वजह देश एवं प्रांत समग्र एवं चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर नहीं हो पाते हैं। सरकारें अपनी इस नाकामी एवं कमजोरी पर पर्दा डालने के लिए मुफ्त सहायता देने की परंपरा विकसित कर ली है। चाहे वह मुफ्त राशन हो, बेरोजगारी भत्ता हो या फिर महिलाओं को वजीफा हो, मुक्त बिजली-पानी हो, मुफ्त चिकित्सा हो, मुफ्त यात्रा हो, पुजारियों, मौलवियों एवं ग्रंथियों को मुफ्त वेतन हो- इस मामले में किसी भी राजनीतिक दल की सरकार पीछे नहीं है। अब तो इस मामले में जैसे एक-दूसरे को पछाड़ने की होड़-सी नजर आने लगी है। सवाल है कि सरकारें इस पहलू पर कब विचार करेंगी कि हर हाथ को काम मिले, रोजगार बढ़े, स्वरोजगार की स्थितियां बने। इस तरह देश साधन-सम्पन्न लोगों में मुफ्तखोरी की आदत डालना सही नहीं है। मुफ्तखोरी की राजनीतिक से लोकतंत्र को खतरा हो सकता है और इससे देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का भी खतरा है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

बलोचिस्तान प्रांत में 'सोन चिड़िया' के शिकार के लिए आता है शाही परिवार

■ कर्नल सुशील तंवर

कुछ दिनों पहले पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के दूर-दराज जिले दलबंदीन में स्थित हवाईपट्टी पर दो विशेष हवाईजहाज बड़ी शान-ओ-शौकत के साथ उतरे। उसमें सवार था सऊदी अरबिया के शाही खानदान के सुल्तान बिन अब्दुल अजीज के परिवार का काफिला। वैसे तो इतने पिछड़े हुए गरीब इलाके में इस शाही ठाठ-बाट को देखकर कोई भी अचंभित हो सकता था लेकिन वहां के लोगों के लिए यह कोई नई बात नहीं थी। वो इसलिए क्योंकि पिछले कई सालों से सर्दियों के मौसम में ये शेख परिवार इस इलाके में पूरे बंदोबस्त के साथ एक दो महीना गुजारता है। उनका मकसद होता है केवल शिकार- तलोर यानी हाउब्रा बूस्टरड का शिकार।वैसे तो हाउब्रा बूस्टरड मूलरूप से मध्य एशियाई क्षेत्र में पाया जाता है मगर सर्दी के मौसम में ये पक्षी पाकिस्तान के सिंध, बलूचिस्तान और पंजाब में प्रवास करते हैं। ये निराला पक्षी भारत में भी पाया जाता है और यहां इसे सोन चिड़िया के नाम से जाना जाता है। खाड़ी देशों के अरब शेखों के लिए इस तलोर (या तल्लूर) की खासी अहमियत है।वहां के शाही परिवार इसके शिकार को एक मजेदार खेल और शौक के रूप में देखते हैं हालांकि एक आम धारणा यह भी है कि इसका मांस वासनापूर्ण होता है और इसके सेवन से यौन शक्ति में वृद्धि होती है।शेख परिवार इनके शिकार के लिए बंदूक की बजाय पालतू बाज का इस्तेमाल करते हैं। शिकार करने से पहले बाज को प्रशिक्षण देना और शिकार के वक्त उसकी उड़ान को परखना और जब वो तल्लूर को जकड़ कर ले आए तो फिर चैन से तल्लूर का मांस पकाना और उसका सेवन करना। ये शेख परिवार सर्दियों का लुत्फ़ कुछ इस तरह ही उठाते हैं। आजकल तो बाज के पंजों में जी पी एस ट्रैकर और कैमरा जैसे आधुनिक यंत्र लगा कर वो इस लुत्फ को और भी दुगुना कर रहें हैं ।

बस यही है इन अमीर परिवारों के नवाबी शौक पूरा करने का जरिया। उनका यह शौक पाकिस्तान में मुसलसल पूरा होता है। दरअसल पाकिस्तान हर साल अरब शेख़ों के इस शौक़ को बनाए रखने के लिए सऊदी अरब क़तर बहरीन संयुक्त अरब अमीरात के शाही परिवारों को परमिट प्रदान करता है। मजे की बात ये है कि तलोर का शिकार आम पाकिस्तानियों के लिए प्रतिबंधित है। इसके बावजूद अरब के शाही परिवार के सदस्यों को इसकी अनुमति दी जाती है। शेखों को दी जाने वाली इस रियायत के दो मुख्य कारण है जिनमें सबसे पहला है इसके द्वारा आने वाला वित्तीय फायदा। 1970 के दशक के बाद से अरब शेखों और खाड़ी देशों के शाही परिवारों को जहां इस शिकार के लिए आमंत्रित किया जाने लगा था वहीं उनसे अच्छी खासी फीस भी बटोरी जाने लगी । ऐसा अंदाजा है कि टोली के हर सदस्य पर तकरीबन दस हजार डॉलर और हर बाज के लिए एक हजार डॉलर की फीस के साथ साथ परमिट जारी करने का भी अलग से शुल्क लिया जाता है।

इस परमिट में दिनों की संख्या के अलावा शिकार हेतु पक्षियों की मात्रा और बाज के उपयोग की सीमा भी निर्धारित होती है। हर शाही परिवार को आमतौर पर वही स्थान शिकार के लिए आवंटित होता है जिससे उन्हें इलाके की पूरी तरह जानकारी रहे मसलन कतर के शाही परिवार को बलोचिस्तान और संयुक्त इमारत के सुल्तान को दक्षिण पंजाब के शिकारगाहों पर हक है। हर साल पच्चीस तीस शाही परिवार को परमिट देने का मतलब है कि सालाना अच्छी खासी मोटी रकम पाकिस्तान सरकार के खाते में पहुंच जाती है। इसके अलावा पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान ने अपनी विदेश नीति में भी तल्लूर के शिकार को खासा महत्व देना शुरू कर दिया है। शाही परिवार की इन निजी शौकिया यात्राओं का उपयोग पाकिस्तान सरकार इन देशों के साथ राजनयिक संबंध बढ़ाने के लिए भी करती रही है। पाकिस्तान के एक नामी-गिरामी मंत्री ने तो कुछ साल पहले ये तक कह दिया था कि ÷पाकिस्तान इस खेल और शौक को प्रोमोट करता है क्योंकि हमारे पास भारत की तरह नाइट क्लब नहीं है जहां हम इन खाड़ी देशों से आने वाले शाही परिवार के सदस्यों को ले जा कर उनका भरपूर मनोरंजन कर सकें।'

पिछले हफ्ते बलोचिस्तान लेविस फोर्स (पाकिस्तान का अर्ध सैनिक बल) की एक टुकड़ी दश्त जिले के जरीन बाग इलाके में तैनात हुई। उनका मकसद कतर के शेख परिवार के आगमन हेतु सभी बंदोबस्त का जायजा लेना था। अभी ये टुकड़ी वहां मुआयना ही कर रही थी कि एक शक्तिशाली बम धमाका हुआ जिसमें दो सैनिकों की जान चली गई और चार सिपाही जख्मी हो गए।

ये हमला पाकिस्तानी सेना पर हुआ था लेकिन इस से ये भी अंदाजा होने लगा कि स्थानीय लोगों में अरब शेखों द्वारा पाकिस्तान में आकर शिकार करने की परंपरा के खिलाफ गुस्सा पनप रहा है।

वैसे गुजरे वक्त में भी भी ऐसे कुछ हादसे हो चुके हैं। मसलन अस्सी के दशक में बलोच अलगाववादियों ने अरब शाही परिवार के काफिले पर हमला किया था। बलोचिस्तान में ही नब्बे के दशक में कतर शाही परिवार के आने से पहले उनके कैंप को आग लगा दी गई। दस साल पहले भी बलोचिस्तान के केच जिले में एक कैंप पर फायरिंग हुई थी जिसमें एक सुरक्षा कर्मी मारा गया था। खासकर बलोचिस्तान में आजादी के लिए लड़ रहे कई गुटों ने अक्सर इन अरब शेखों के काफिलों पर हमला किया है । मगर इन घटनाओं का जनता की भावना से कभी भी ज्यादा ताल्लुक नहीं रहा। लेकिन तीन साल पहले जब सिंध प्रांत में नाज़िम जोखियो नाम के युवा की हत्या का मामला सामने आया तो इस शिकारी प्रवृत्ति पर कई सवाल खड़े होने शुरू हो गए। हत्या का कारण ये था कि उस नौजवान ने अपने गांव के पास तल्लूर के शिकार को लेकर विदेशी क़ाफ़िले का एक वीडियो बनाया जिसके चलते वहां के स्थानीय नेता ने उसे धमकी दी। अगले दिन एक फॉर्महाउस से उसकी लाश बरामद हुई। नतीजन सिंध के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन किया और तल्लूर के शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की।

प्रकृति और वन जीवन के सरंक्षण में रुचि रखने वाले लोगों को भी इस शिकार से गहरी आपत्ति है क्योंकि पिछले कुछ सालों में ना केवल इस दुर्लभ पक्षी की संख्या में भारी कमी आई है बल्कि उनके पारंपरिक आवास स्थल भी अब सिकुड़ने लगे हैं। इसी के चलते सन 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इस शिकार पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था और पाकिस्तान सरकार को निर्देश दिया कि वो खाड़ी देशों को जारी किए हुए सभी परमिट को निरस्त कर दें। मगर सरकार ने कूटनीतिक कारणों का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर की जिसके बाद पांच सदस्य बेंच ने राष्ट्रीय हित में शिकार पर प्रतिबंध हटाने का फैसला सुना दिया। हालांकि शेख परिवारों की तरफ से इन सभी विवादों पर कभी भी कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। शायद उनका नजरिया हमेशा ये रहा है कि उन्हें शिकार करने का पूरा हक है क्योंकि वो इस पूरे बंदोबस्त की पाकिस्तान सरकार को मनचाही कीमत अदा कर रहें है। हां, ये जरूर हुआ है कि पिछले कुछ सालों में इन शाही शेख परिवारों ने पाकिस्तान के दूर दराज इलाकों को बुनियादी जरूरतें उपलब्ध कराने की कोशिश की है। मिसाल के तौर पर दक्षिण पंजाब के रहीम यार ख़ान जिले में हवाई अड्डा संयुक्त इमीरात के सुल्तान शेख़ ज़ायद ने बनवाया था। इसी प्रकार बलोचिस्तान के पसनी क्षेत्र में कतर के शेख ने स्कूल और पानी का बंदोबस्त करवाया है। इसके अलावा इन परिवार की खिदमत करने वाले स्थानीय लोगों को दिलखोल कर कीमती पुरस्कार और बख्शीश दी जाती है।

इसमें कोई शक नहीं कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और सरकार के लिए बिना अरब देशों की मदद लिए अपने देश को सुचारू रूप से चलाना नामुमकिन है। इसके अलावा इस्लामिक दृष्टिकोण से भी खाड़ी मुल्क खासकर सऊदी अरब की पाकिस्तान के समाज पर अच्छी खासी पकड़ है। ऐसे में शेख परिवार के शौक और मांगों को पूरा करने में ही पाकिस्तान का फायदा है। और इसलिए ये लगभग तय है कि पाकिस्तान में कूटनीति की चौखट पर इन बेचारे परिंदों की बलि यूं ही चढ़ती रहेगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

संकट में ही धैर्य और धर्म की परीक्षा होती है।
- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 2020- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के 107वें सत्र का उद्घाटन किया।
- ताइवान ने चीन के 'एक देश, दो व्यवस्था' वाले प्रस्ताव को ठुकरा दिया।
- 2015- नाइजीरिया के पूर्वोत्तर शहर बागा में आतंकवादी संगठन बोको हराम का हमला,लगभग 2000 लोगों की मौत।
- 2013- इराक के मुसय्यिब क्षेत्र में आत्मघाती बम विस्फोट में शिया समुदाय के 27 लोगों की मौत, 60 घायल।
- 2008- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 15 सदस्यीय टीम में लीबिया, वियतनाम, क्रोएशिया, कोस्टारिका और बुर्किनाफासो का पांच नये अस्थायी सदस्यों के रूप में चयन किया गया।
- 2007- चीन की मारग्रेट चान ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक पद की कमान सम्भाली।
- 2005- यूएसए ने तमिलनाडु में सुनामी पीड़ितों को साफ़ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 6.2 करोड़ रुपये की सहायता की घोषणा की।
- 2004- 12वें सार्क सम्मेलन में भाग लेने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी इस्लामाबाद पहुँचे।
- मिस्र की विमानन कंपनी फ्लैश एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान 604 के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी 148 लोग मारे गये।
- 2002- काठमाण्डू में दक्षेस विदेश मंत्रियों की बैठक में पाकिस्तान बेनकाब, भारत ने आतंकवादियों व अपराधियों के ख़िलाफ़ सबूत सार्वजनिक किए।
- 1998- अल्जीरियाई इस्लामी विद्रोह में 412 लोगों की हत्या।
- 1993 - अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश एवं रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन द्वारा 'स्टार्ट द्वितीय' संधि पर हस्ताक्षर किया गया।
- अमरीका और रूस ने अपने परमाणु हथियारों की संख्या को आधा करने पर सहमति जतायी।

निशाना

आ रही दरार !

-कृष्णेन्द्र राय

धीरे धीरे गठबंधन में ।
आ रही दरार ।।
बह रही चुनाव की ।
अलग ही बयार ।।
आबोहवा बदल रही ।
आंख रहे तरेर ।।
काट रहे अब कन्नी ।
पहले थे दिलेर ।।
समय समय की बात है ।
चक्र रहा बदल ।।
हुए थोड़े दूर ।।
पास थे जो कल ।।
है चुनाव सर पर ।
मिल रहे ना मन ।।
बिगड़ रही जो बात ।
ना रहु वो बन ।।

राजस्थानी लोक संगीत सुनकर भाव विभोर हुए श्रोता

नर्मदापुरम। पंडित रामलाल शर्मा कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में गुरुवार को नववर्ष की शुरुआत स्पीक मेके चैप्टर नर्मदापुरम के सहयोग से प्रसिद्ध राजस्थानी लोक गायक रोज खान और उनके साथियों से की गई। कार्यक्रम की शुरुआत करने से पहले लोक गायक रोजे खान ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अपनी लोक गायन, वादन की परंपरा से अवगत कराया एवं अपना एवं अपने साथियों का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरुआत रोजे खान एवं उनके खानकते हुए सुरो के साथ प्रसिद्ध राजस्थानी गीत केसरिया बालम आओ जी पधारो मारे देश से की गई। इसी के साथ और भी राजस्थानी लोकगीत संगीत की शास्त्री महफिल सजी। रोज खान व देऊ खान ने जहां छाप तिलक सब छीनी रे, दमा दम मस्त कलंदर, निंबुडा निंबुडा, समेत कई सूफी गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। हुसैन खान ने सारंगी, अयूब खान ने हारमोनियम, भुट्टा खान ने ढोलक पर अपने हुनर का अद्भुत कमाल दिखाया। रोजे खान के पुत्र देऊ खान ने खड़ताल पर जानदार संगत करते हुए मोर चंग को विशिष्ट शैली में थपकियां देकर बजाते हुए रोमांचक स्वर शास्त्रीय शैली में निकाले। ।

सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच ने मनाया नव वर्ष मिलन समारोह

नर्मदापुरम। स्थानीय गार्डन में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के सदस्यों ने उपस्थित होकर गीत संगीत गजल भजन की प्रस्तुति के साथ एक दूसरे को शुभकामना बधाई देते हुए नव वर्ष मिलन समारोह मनाया. कार्यक्रम के संरक्षक के एस राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित अशोक दीबोलिया कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अकरम खान के साथ जगदीश मिश्रा लखन रघुवंशी डॉक्टर मोहम्मद आदिल फ़ाज़ली डॉक्टर सुरेंद्रजीत सिंह महेश शर्मा रमेश गोप्लानी के एन त्रिपाठी केके शर्मा संजीव शर्मा ओपी तिवारी आशीष तिवारी डॉ मयंक तोमर रमेश सोनी ओमप्रकाश मालवीय ईश्वर शर्मा आरके गौर एसके सैनी किरण शर्मा सुशीला बरगले जय बाला निगम सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुति देते हुए कार्यक्रम को रोचक बनाया।

शराबखोरी में दोस्तों में हुई कहासुनी

चाकू से किया हमला, दो युवक घायल, एक जबलपुर रेफर

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के हर्रई के पास की घटना दमोह से कार पर सवार होकर जबलपुर जा रहे थे एक साथ पांच दोस्त

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

दमोह से किराए की कार लेकर जबलपुर जा रहे लोगों में शराबखोरी के बाद आपस में हंसी मजाक भारी पड़ गई तेजगढ़ के आगे हर्रई की टेक पर गाडी को रोककर ड्राईवर एवं गाडी मालिक शुभम् धुरिया 25 निवासी दमोह पर कार में सवार एक व्यक्ति ने चाकू निकालकर हमला कर दिया लेकिन इस दौरान बीच बचाव करने आएं नीलेश पिता दिनेश अहिरवार 20 निवासी दमोह को पेट में चाकू मार दिया। जिससे नीलेश की आंते बाहर आ गई। साथ ही तीन लोग कार छोड़कर मौके से भाग निकले 100 डायल की मदद से घायल नीलेश को तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जा रहा था लेकिन सांगा के पास 108 पहुंचते ही घायल को उमें स्फिट कर दिया गया। लेकिन नीलेश की गंभीर हालत होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडीकल कांलेज रेफर कर दिया गया हैं। गाडी मालिक शुभम धुरिया ने बताया कि हम लोग होंडा की कार वर्ना क्रमाक एमपी 16 एमजी 0072 जिसे मनीष ठाकुर निवासी दमोह ने दमोह से जबलपुर जाने के लिए बुक की थी शाम 5.30 बजे हम चार लोगों को लेकर दमोह से निकले इस दौरान पीछे की सीट पर ये तीन लोग शराब पी रहे थे नीलेश ने शराब नहीं पी मजाक मजाक में हर्रई के पास गाडी रोकने के लिए कहा गया नीचे उतरते ही अब्बी ने पहले मुझ पर चाकू से हमला कर दिया था जिस कारण मेरे बाए हाथ में चोट आई है लेकिन तभी बीच बचाव करने आएं नीलेश अहिरवार को पेट में सीधे चाकू मारकर तीनों लोग मौके से भाग निकले गाडी में मनीष ठाकुर, अब्बी एवं अब्बी का भाई मौजूद था चाकू मारने के बाद मौके से सभी लोग भाग निकले हैं वहीं घटना की सूचना पुलिस द्वारा नीलेश के परिजनों को दी गई है जहां परिजन जबलपुर पहुंच चुके हैं तेजगढ़ पुलिस द्वारा जांच की जा रही है

इनका कहना है

इस संबंध में तेजगढ़ थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ने बताया कुछ दोस्त दमोह से कार में सवार होकर जबलपुर जा रहे थे लेकिन रास्ते में कुछ बात को लेकर कहासुनी हो गई और चाकू से हमला कर दिया जिसमें नीलेश अहिरवार दमोह निवासी घायल हुए हैं जिसे जबलपुर रेफर किया गया है चाकू चलाने वाले आरोपी मौके से भाग निकले हैं जिनकी तलाश की जा रही है पुलिस जल्द ही आरोपी को पकड़ लेगी पुलिस मामले की जांच कर रही है

बैमौसम बारिश में चौक नालियों ने खोली नगर परिषद की पोल, सड़क पर बह रही है गंदगी

लोगों को निकलने में हो रही परेशानी, गंदगी की दुर्गंध से परेशान स्थानीय रहवासी

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

प्रदेश सरकार द्वारा साफ सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं और हर जिले की नगर परिषद नगर पंचायत नगर पालिका और नगर निगम को साफ सफाई के लिए लाखों करोड़ों रुपए की राशि उपलब्ध कराई जा रही लेकिन फिर भी स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ती हुई दिखाई दे रही है जहां पर नगर परिषद की पोल खुलती हुई दिखाई दे रही है दरअसल शनिवार की सुबह हुई बैमौसम बारिश ने तेंदूखेड़ा नगर परिषद की स्वच्छता अभियान की पोल खोल कर रख दी है जहां चौक पड़ी नालियों ओवरफ्लो हो सड़क पर पूरी गंदगी बहकर सड़क पर आ गई जहां लोगों को परेशानियों

का सामना करना पड़ा दरअसल नगर एवं क्षेत्र में शनिवार की सुबह 6 बजे से हुई झमाझम बारिश के साथ हुई तेज बारिश इस बारिश से जहां किसानों के चेहरे खिल उठे हैं वहीं कुछ रहवासी क्षेत्रो में यह बारिश उनके लिए दुखदाई रही क्योंकि पहले से ही नगर के लोग दलदल, कीचड़ की वजह से काफी परेशान है नगर में महीनों से नालियों की सफाई नहीं हुई बारिश से मौसम मैं फिर ठंडक खुल गई नगर के मुख्य मार्ग से वार्डो के मार्गो की नालियों ने गंदगी रोड पर ला दी जिसके कारण यहां से निकलने वाले लोगों को गंदगी के बीच से गुजरना पड़ा इस गंदे पानी से आ रही दुर्गंध ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया नगर के कई मुख्य मार्गो की दुर्दशा देखने लायक है नगर के वार्ड क्रमांक 9 में समस्त शासकीय कार्यालय कॉलेज मॉडल हाई स्कूल स्थित है जिसके चलते छात्र छात्राओं को भी इस गंदगी के दलदल से गुजरना पड़ा बे मौसम बारिश की वजह से वार्ड में जहां धूल उड़ रही थी वहां धूल अब कीचड़ में तब्दील हो गई है बड़े-बड़े गढ़ों में पानी भर जाने से भी समस्या उत्पन्न हुई। जिसके चलते नालिया चोक हो गई चोक नालियों मै भरा सेप्टेक टैंकों की गंदगी नालियों से निकलकर सड़क पर आ गई जिसके कारण राहगीरों के साथ वार्ड वासियों काफी परेशानी हुई यह मैला दिन भर लोगों को अपनी बदबू का एहसास कराता रहा जहां तीन-चार दिनों से हो रही गर्मी से लोगों को कुछ राहत भी मिली है जहां अचानक से हुई

आपके मन में हर जीव के प्रति दया एवं करूणा का भाव है वही धर्म है- विरंजन सागर जी

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में धूमधाम से गणाचार्य श्री विराग सागर जी महामुनिराज के षिष्य उपाध्याय श्री विरंजन सागर जी एवं ससंघ सानिध्य में संगीतमय समवषरण विधान चल रहा है। सुबह से पूजन, अभिषेक शांतिधारा ब्रम्हचारी अंकित भैया जी के द्वारा मंत्रोचारण के साथ किए गए। साथ ही समवषरण विधान में मानसस्तंभ आदि के अर्घ चढाए गए। इस दौरान संगीतमय विधान में श्रावको के द्वारा पंडाल मे नृत्य कर अपने भाव प्रगट किए। दोपहर में 1008 नाममंत्र आराधना की गई। संध्या बेला में भगवान श्री जी की भव्य महाआरती की गई। इस अवसर पर मुनिराज ने अपने प्रवचनो में कहां कि भक्ति ही पाप का नाष करती है। भक्ति के वष में भगवान होते है। शवरी ने भक्ति के वषीभूत होकर पुकारा तो भगवान राम चले आए। चंदन ने पुकारा तो

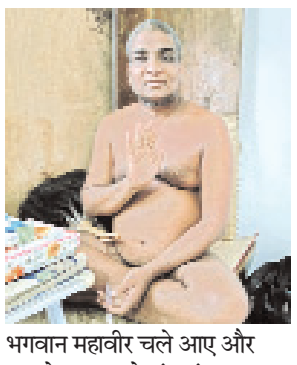

भगवान महावीर चले आए और आपने बुलाया तो संत संघ आया। भक्ति मंन से की तो तभी स्वीकार की जाती है। विनाभाव के भक्ति महत्वषाली नहीं, भक्ति में थोड़ा पागलपन थोड़ा भोलापन होना जरूरी है। जब दुनिया पागल कहने लगे तो समझो अब भक्ति में लीन हो गए।

विधान के समय मुनिश्री से सतेन्द्र सिंह ने प्रष्न किया कि धर्म क्या है और कैसे होता है। तब मुनि श्री ने कहां कि धर्म कोई पूजन करना नहीं है। पूजन एक क्रिया है जो निर्धारित समय में की जाती है। लेकिन धर्म की कोई समय सीमा नहीं है। धर्म का कोई टाईम टेविल नहीं है। धर्म करने की कोई उम्र नहीं है। धर्म किसी भी समय किया जा सकता है। धर्म 24 घंटे किया जा सकता है। जहां दया है वहां धर्म हो रहा है। जहां दया के भाव आए है वही धर्म उत्पन्न होता है। धर्म किसी एक व्यक्ति से नहीं होता है। धर्म जीव मात्र से प्राणी मात्र से दया करना है। दया का भाव होना चाहिए एवं परिणामों में दया के भाव लाना चाहिए, जहां दया का भाव आ गया वही धर्म है। हर जीव के प्रति दया एवं करूणां का भाव है वही धर्म है। जब हर व्यक्ति के मन में दया एवं करूणा का भाव उत्पन्न हो जाएगा तो गांव, प्रदेष और देष स्वर्ग जैसा बन जाएगा।

तारादेही थाना क्षेत्र समनापुर ग्राम के पास हादसा

बाइक की टक्कर से 10 वर्षीय मासूम घायल बाइक सवार घायल दोनों जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। गुरुवार को तारादेही थाना क्षेत्र अंतर्गत के समनापुर ग्राम समीप बने पेट्रोल पंप के पास एक बाइक सवार द्वारा लापरवाही से बाइक चलाते हुए 10 वर्षीय बच्चे को टक्कर मार दी इस हादसे में बाइक सवार सहित बच्चा भी गंभीर रूप से घायल हो गया जिन्हें 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से दोनों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है घटना के संबंध में स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी अनुसार दिपेश पिता सुरेश पाल उम्र 10 वर्ष ग्राम समनापुर थाना तारादेही पंप के पास घूम रहा था तभी तारादेही की ओर से आ रहे बाइक सवार साहिल पिता भूरे सिंह लोधी उम्र 18 वर्ष निवासी पौड़ी थाना तारादेही ने जोरदार टक्कर मार दी इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिसकी सूचना राहगीरों द्वारा 108 वाहन को दी गई जहां घायलों को इलाज के लिए तेन्दूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां दोनों की हालत गंभीर होने के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है

नपा सीएमओ पर हमलावर मजदूर संघः सेवानिवृत्ति के समय कर्मचारियों को किया जा रहा है अपमानित!

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

नपा कर्मचारी मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महेश वर्मा ने बताया है कि कर्मचारियों के जीवनकाल में प्रथम नियुक्ति सेवा व सेवानिवृत्त समय दो महत्वपूर्ण खुशी के पल होते है लेकिन नगरपालिका में इन पलों का कोई भी महत्व नहीं है क्योंकि वर्तमान समय में नगरपालिका में जो सीएमओ पदस्थ हैं उनके द्वारा माह प्रतिमाह अपनी हठधर्मिता का परिचय देकर जो अपमानजनक नीति कर्मचारियों के सेवानिवृत्त के समय अपनाई जा रही है वह दुखद व सोचनीय है. दिसंबर माह के अंत में दो नियमित कर्मचारी जिसमें पंप चालक बाबूराव परीट, वार्ड सफाई जमादार श्री चौरे सेवानिवृत्त हुए हैं इनको स्थापना शाखा के बाबू के द्वारा सेवानिवृत्त से संबंधित दस्तावेज दिये जाते हैं जबकि संस्था प्रमुख के द्वारा संबंधित दस्तावेज देते समय हार फूल से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों का स्वागत सम्मान किया जाता है. छाया चित्र भी

लिए जाते हैं परंतु जिन कर्मचारियों के द्वारा संस्था में पदस्थ रहकर अपने जीवन काल के तीस चालीस वर्ष देकर सेवाभाव से कार्य किया है उनके सम्मान में पांच रुपए के फूल की माला से कर्मचारियों का स्वागत सम्मान न करके अपमान जनक रवैया अपनाकर सेवानिवृत्त की विदाई दी जाती ह।. इसके पहले नगरपालिका के राजस्व विभाग में कार्यरत सहायक राजस्व निरीक्षक कर्मचारी ओमप्रकाश रावत, मनोहर सराठे तीस से चालीस वर्ष तक संस्था में पदस्थ रहकर सेवानिवृत्त हो गए हैं उनके साथ भी नगरपालिका सीएमओ के द्वारा ससम्मान उनकी विदाई नहीं की गई इन कर्मचारियों के द्वारा सेवानिवृत्त का पारिवारिक कार्यक्रम रखा गया उसमें नगरपालिका सीएमओ को आमंत्रित किया गया लेकिन दुर्भाग्यवश या हठधर्मिता के कारण इनके द्वारा अपनी उपस्थिति नहीं दी गई हमेशा

की तरह इस बार भी नगरपालिका सीएमओ के द्वारा सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के प्रति भेदभाव पूर्ण व्यवहार करके जो रवैया अपनाया गया है वह किसी भी तरह उचित नहीं है. तीस चालीस वर्ष अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष संस्था को अर्पित किये हैं उनको संस्था का मुखिया चार मिनट का समय भी न दे सके मुलाकात न करके उनका सम्मान न करें ऐसे कृत्य करके सेवानिवृत्त के अवसर पर जिन संस्कार और संस्कृति का परिचय नगरपालिका कि सीएमओ के द्वारा दिया जा रहा हैं उसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं हैं.

मेट्रो एंकर चैक डेम बनाने के लिए बनाये जायेगा प्रस्ताव नगर परिषद अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी मे किया भूमि पूजन

35 लाख रुपए की लागत से होगा गुरैया नदी का सौंदर्यीकरण

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर से निकली गुरैया नदी का अमृत योजना के तहत सौंदरीकरण होगा और आज उसका भूमि पूजन हुआ जिसमे पर्यटक राज्यमंत्री धर्मद्र सिंह लोधी की अनुपस्थित मे उनके छोटे भाई सतेन्द्र सीग लोधी मौजूद रहे जिन्होंने नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश कुमार जैन उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव पूर्व मंडलअध्यक्ष गोविद यादव बर्तमान मंडलअध्यक्ष संतकुमार पाल ससद प्रतिनिधि मुरत सीग लोधी पूर्व जिला पचायत अध्यक्ष अनीता सीग गोविद ठाकुर पार्षद ईश्वर बेन सहित दर्जनों गणमान्य लोगो की मौजूदगी मे सोंदरीकरण कार्यो का भूमि पूजन किया।

गुरैया नदी पहुँचे जनप्रतिनिधि ने पहले गुरैया नदी का निरिक्षण किया मंत्री के छोटे भाई सतेन्द्र सीग लोधी ने मौजूद अधिकारियो और कर्मचारियों से पूरी

रुपरेखा जानी और गुरैया नदी मे सोंदरीकरण के साथ पानी रोकने की प्रकिया समझी। उन्होंने देखा की ठंड खत्म नहीं हुई है और गुरैया नदी मे पानी सुख गया है ऐसे मे यदि सोंदरीकरण का कार्य होगा भी तो ज़ब पानी ही नहीं रुकेगा तो सौंदरता का क्या महत्व बाद मे मौजूद जनप्रतिनिधि से मंत्री के छोटे भाई ने चर्चा करते हुये पूछा ऐसा कोई उपाय बताये जिससे नदी मे हमेशा पानी रहे

ये बोले जनप्रतिनिधि

नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश कुमार जैन और पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविद यादव ने बताया की गुरैया नदी मे एक चैक डेम या फिर जो छोटा पूल से उसके दरवाज़े बंद हो जाते है तो गुरैया नदी मे आठ माह आसनी से पानी रुक सकता है अभी पानी बह जाता है।

दूसरा उपाय यह भी हो सकता है की अमवाही जलाशय की नहर रामदेही तक आई है यदि उसका पानी गुरैया नदी मे गिराया जा सके तो बारह माह नदी मे पानी रुक सकता है बर्तमान समय मे नहर की दुरी गुरैया नदी से एक किलोमीटर दूर है।

जो पाइप लाइन डालकर पूरी की जा सकती है क्योंकि गुरैया नदी के पास का उपयोग दैनिक कार्यो के साथ किसान फसलों के समय उपयोग कर लेते है जिसके कारण पानी नहीं रुक पाता।

ये होंगे 35 लाख मे कार्य

जिन कार्यों का आज भूमि पूजन हुआ है उनमे नदी की एक और की पूरी पिचिंग है क्योंकि नदी का उस तरह का भाग पानी के भराव मे कटता जा रहा है यदि उसको शीघ्र नहीं रोका गया तो खेत भी नदी बन जायेगे इसलिए पिचिंग का कार्य होना है पुराने स्टाप डेम की मरम्मत का कर होगा उसके बाजु मे घाट बनाये जायेगे साथ ही देवी विसर्जन और गणेश विसर्जन के लिए एक रैम्प बनाया जायेगा पौधा रोपण होगा।

नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया अमृत योजना के तहत गुरैया नदी का सौंदरीकरण होना है जिसमे घाट पिचिंग और स्टाप डेम मरम्मत का कार्य सम्मिलित है यह सभी कर 35 लाख की लागत से होने हैं जिनका भूमि पूजन गुरुबार को हुआ है भूमि पूजन के दौरान उपस्थित नगर परिषद सी एम ओ प्रेमसीग चौहान , उपयंत्री, भूपेंद्र सीग दमोह से गजेंद्र सिंह भदौरिया, फील्ड इंजीनियर राघवेंद्र पटेल, ठेकेदार राजा सीग के आलवा ठेकेदार राजकुमार लोधी राजू रसिया लक्की जैन ड्राक्टर परम् सीग लोधी नर्मदा दुबे मौजूद रहे।

दबंग कर रहे हैं खेती , राजनेताओं का भी है कब्जा

डेढ़ हजार हेक्टर से अधिक है चरनोई भूमि, मात्र 22 हेक्टर ही हो पाई खाली

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विकासखंड में लगभग 1500 हेक्टेयर के करीब चरनोई की भूमि है जिसमें से मात्र 22 हेक्टेयर भूमि को ही प्रशासन के अधिकारी दबंग लोगों से खाली करवा पाए हैं। बाकी जमीन पर फसल लगाने का काम इन लोगों के द्वारा किया गया। इनसे उक्त जमीन को खाली करवाने में शासन प्रशासन के अधिकारियों के भी पसीने छूट रहे कई जगह राजनीतिक दवा भी देखन को मिल रहा है। वैसे तो अधिकांश जगहों पर राजनीतिक लोगों से जुड़े दबंगों ही चरनोई की भूमि पर जमीन पर अवैध रूप से खेती कर रहे हैं इस वजह से नोटिस और डोडी के बाद भी जमीन को खाली नहीं कर रहा है। इस स्थिति में जिम्मेदार अधिकारियों को इनसे चरनोई की जमीन खाली करवाना मुश्किल नजर आ रहा है। क्योंकि एक महीने पहले से तहसीलदारों के द्वारा विकासखंड के सभी पटवारियों के माध्यम से जितने भी लोगों ने चरणों की जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है, उनको नोटिस देकर डोडी पिटवाने का काम भी पटवारी चौकीदारों से करवा चुके हैं। दबंग लोगों के कानों पर जूं भी नहीं रेंग रही है।

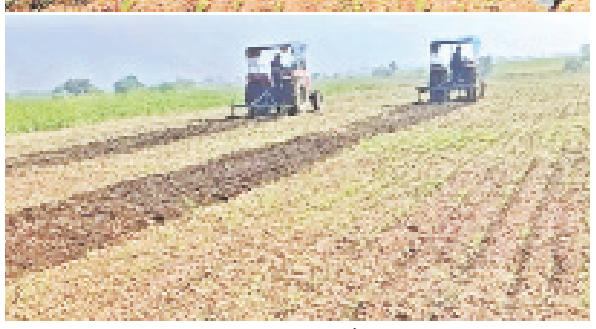

अधिकांश ग्रामों में दबंग लोग उक्त जमीन को छोड़ते हुए नजर नहीं आ रहे हैं बार-बार सूचनाओं पर भी गंभीरता से नहीं ले विनय प्रशासन का कोई डर नहीं है तभी तो जमीन को छोड़न नहीं रहे हैं ।

मात्र 22 हेक्टेयर भूमि ही हो पाई खाली

इतने बड़े पैमाने पर चरनोई की भूमि है उसमें से मात्र 22 हेक्टर जमीन को ही प्रशासन के अधिकारियों ने धरातल पर खड़े होकर खाली करवाने का काम किया है। अधिकांश पटवारी तो जमीन को खाली करवाने की हिम्मत ही नहीं जुटा इसी का परिणाम है कि इस समय फैसले लहरा रही है । राजनीतिक प्रभावित लोगों को तो नोटिस देने की हिम्मत भी पटवारी नहीं कर पाए है यदि किसी को नोटिस भी दे दिया है तो यहां इनको गंभीरता से नहीं ले रहा है ना ही इन्ह पर कार्रवाई की जा रह है। या फिर कहें कि दबंग लोगों से चरनोई की भूमि खाली करवा का काम सख्ती से नहीं हो रहा है।

गौशालाओं को दी जा रही है

सरकार के द्वारा खाली करवा कर चरनोई की जमीन गौशालाओं के हवाले करने के निर्देश दिए हैं। विकासखंड के पांचों मंडलों में अभी तक 22 हेक्टर जमीन खाली हुई है उसको संबंधित क्षेत्र की गौशालाओं को देने का कार्य किया जा रहा इस जमीन पर गौशालाओं के मवेशियों को चराने का कार्य करवाया जा सकेगा इसी उद्देश्य को लेकर इसको गौशालाओं के हवाले करने का काम भी किया जा रहा है ।एक दिन पहले ग्राम कुलुआ महुआ खेड़ा में भी 6 हेक्टेयर के करीब चरनोई की भूमि को खाली करवाने का काम दबंग से प्रशासन ने किया है। इस गांव में भी बड़े स्तर पर चरनोई की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा है।

सीएम ने दिए हैं निर्देश

मुख्यमंत्री मोहन यादव मोहन यादव के द्वारा गौ माता के लिए जितनी भी चरनोई की भूमि है उसको मुक्त करवाने के लिए निर्देश दिए हैं इसके बाद कलेक्टर रोशन सिंह मैं भी अभियान चला कर उक्त जमीन को खाली करवा कर गौशालाओं को देने को सौंपने के दिशा निर्देश एसडीएम तथा तहसीलदारों को दिए हैं। अधिकांश दबंग लोगों के द्वारा ही उक्त जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करके खेती करने का काम किया जा रहा है इस वजह से गौ माता भूख प्यास से दर-दर भटक रही है। कई जगह तो नालों और सरकारी गोह को भी दबंग लोगों ने कब्जा करके उनके स्वरूप को ही पूरी तरह से नष्ट करके खेती लायक कर कर लिया है नहीं तो पहले इनमें पानी भरा रहता था मवेशी घास खाते यही पर पानी पीते थे।

इनका कहना है

> 22 हेक्टर चरनोई की भूमि खाली करवा चुके हैं, सभी को नोटिस देकर उक्त भूमि को छोड़ने के निर्देश दिए हैं जो नहीं छोड़ रहा है उनके खिलाफ हम करवाई कर रहे हैं।
>
> -संजय चौरसिया
> तहसीलदार

हर्षल चौधरी का हुआ प्रमोशन बनाए गए ज्वांइट कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अभी तक में विकासखंड में एसडीएम के रूप में सेवाएं दे रहे एसडीएम हर्षल चौधरी को नए साल में सरकार ने प्रमोशन का तोहफा दिया अब श्री चौधरी जॉइन कलेक्टर के रूप में विकासखंड में काम करेंगे इनकी सेवाए क्षेत्रवासियों को इसी तरह मिलती रहेगी। 1 जनवरी को प्रमोशन का आदेश जारी होते इनकी नए साल की खुशियां भी दुगनी हो गई ।

वैसे भी यूपीएससी के एग्जाम में हर्षल चौधरी ने प्रदेश में टॉप किया था काम भी उसी तेजी से करते हैं शायद इस बात का ही फायदा इनको सरकार ने दिया है। प्रमोशन मिलने पर श्री चौधरी ने बताया कि सरकार की जितनी भी जनहितैषी योजनाएं हैं उनको प्राथमिकता से हर पत्र व्यक्ति तक पहुंचना है। केंद्र, प्रदेश सरकार जितनी भी योजनाएं हैं। उनका लाभ पूरी पारदर्शिता के सथ पात्र व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए निरंतर काम कर रहा हूं प्रमोशन मिलने के बाद और भी अधिक ऊर्जा से काम करेंगे। विकासखंड में जो भी जरूरी काम मेरे प्रयास से विकास के क्षेत्र में हो सकते हैं उनको इसी तरह करवाते रहेंगे कुछ नवाचार भी करेंगे जिससे कि क्षेत्र की जनता को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़े इनका काम समय पर हो एवं शासन योजना का लाभ मिल सके नए साल में नई ऊर्जा के साथ काम करेंगे प्रदेश केंद्र सरकार की जितनी भी योजनाए उनका धरातल पर पालन हो उसके लिए जरूरी कदम भी उठेंगे। क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा शर्मा के साथ मिलकर आगे बढ़ने का काम करेंगे।

10 जनवरी तक होगा फसल बीमा बड़ी तारीख

सिरोंज। फसल बीमा करने की तारीख में वृद्धि की गई है 2 जनवरी से बढ़ कर 10 जनवरी 2025 हो गई है ।रबी 2024-25 सत्र के लिए अधिसूचित फसलों (गेहूं, चना, सरसों एवं मसूर) का फसल बीमा नामांकन बैंक, जिला सहकारी समिति एवं सीएसी सेंटरो द्वारा ऋणी एवं गैर ऋणी कृषकों के लिए बीमा किए जा रहा है। इसमें सभी सीमांत कृषक जिनका अभी तक बीमा नहीं हुआ है ऐसे किसान किसी भी नजदीकी बैंक शाखा, सीएसी सेंटर या पैक्स से अपनी फसल का बीमा करवा सकते है। 1 हेक्टेयर के प्रीमियम राशि गेहूं 555, गेहूं असिंचित 394.5, चना 525 , सरसों 222) जो शासन द्वारा निर्धारित की गई है ।जिसमें किसानों को रबी सत्र के लिए ऋण मान का मात्र 1.5ब किसानों के द्वारा प्रीमियम के रूप में लिया जाता है । अभी तक जिन कृषकों ने फसल बीमा नहीं करवाया है वहां किसान बड़ी तिथि का फायदा लेकर फसल बीमा करवा सकते हैं। फसल बीमा होने किसी भी तरह कि प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसानों की आर्थिक छती होने पर इसका लाभ मिलता है।

एसएसएल जैन पीजी महाविद्यालय में हुआ रक्त समूह परीक्षण शिविर का आयोजन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा एसएसएल जैन पीजी महाविद्यालय विदिशा में रक्त समूह परीक्षण शिविर का आयोजन साई कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेस के तत्वाधान में आयोजित किया किया गया।

जिसमें महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब के सदस्यों एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। साई कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेस के सदस्यों ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को रक्त समूह परीक्षण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी। और रक्त समूह के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी प्रदान की साथ ही रक्तदान के महत्व के बारे में बताया।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शोभा जैन, प्रभारी

प्राचार्य डॉ. एस.के. उपाध्याय , रा.से यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ.जयश्री बोराना, महेश थरानी, उर्वशी उदावत,सरोज शर्मा, संगीता जैन, निधि व्यास, सरोज शर्मा,राजकुमार शर्मा, अमृता सेन, प्रमोद गुप्ता, डॉ प्रीति बाला जैन सहित समस्त शैक्षणिक स्टाफ सम्मलित हुआ।

रक्त समूह एवं रक्तदान के महत्व के बारे में सभी स्वयंसेवकों ने विभिन्न वक्ताओं के विचारों को सुना।

कार्यक्रम में कृष्ण कुमार सूर्यवंशी,कुलदीप प्रजापति, विक्रम अहिरवार,चंचल राजपूत,राधिका रैकवार, अभिषेक अहिरवार, उर्मिला लोधी,प्रवेश शर्मा, शाकिव खान, अजय अहिरवार, वंशुल सेन, सचिन किरार, शुभम कुशवाह, निकिता रैकवार, निकिता लोधी, सुजल कडेरे, दिव्या नामदेव, अंश, मनीषा, सोहन आदि स्वयंसेवकों ने सहभागिता की एवं रक्त समूह परीक्षण करवाया।

सड़कों पर घूम रही मौत, आवारा कुत्तों और बेसहारा मवेशियों से बढ़ी दुर्घटनाएं

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

नगर में लगातार बढ़ रहे आवारा कुत्तों एवं बेसहारा मवेशी से जनता परेशान हैं सड़क से लेकर गलियों तक काबिज आवारा जानवर बड़े बूढ़े वा बच्चों को नुकसान पहुंचा रहे हैं जो लोगों की गले की फांस बन चुके हैं। वही जिम्मेदार कार्यवाही का आश्वासन देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं आवारा जानवरों को लेकर लोगों में खासी नाराजगी बढ़ती जा रही है। मुख्य मार्ग हों या मुख्य चौराहा या फिर वार्डों की गलियां हर जगह बेसहारा गाय और आवारा कुत्ते विचरण करते नजर आ रहे हैं। इन आवारा पशुओं की लड़ाई में राहगीरों चपेट में आने के साथ ही आवागमन भी बाधित होता जा रहा है खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों एवं बुजुर्गों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन इन सबके बीच नगर परिषद तथा जनपद प्रशासन द्वारा इन आवारा पशुओं के निजात के लिए कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है,नतीजा आवारा पशुओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है। पशुओं से सबसे ज्यादा खतरा रात्रि के समय रहता है कई वाहन चालक टकरा जाते हैं यहां तक की कई वाहन चालकों की इनसे टकराकर मौतें भी हो चुकी हैं। सार्वजनिक स्थलों पर मंडराते हुए पशु हमेशा लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं।

दूध दुहकर पशु पालक गायों से कर लेते है किनारा

नगर में आवारा पशुओं की संख्या बढ़ाने में सबसे बड़ा योगदान पशु पालकों का है।जब गाय दूध देना बंद कर देती है तो पशु पालक गाय को बेसहारा छोड़ देते हैं ये गाये सड़कों पर फलों के छिलके सडी गली सब्जियों में मुंह मारते हुए फिरती रहती है। नगर की सब्जी मंडी में इन आवारा पशुओं का इतना खोंफ है की लोग बेहद चौकन्ना होकर सब्जी मंडी का रुख करते हैं जरा सी नजर हटने पर ये सामान का थैला छीन लेते हैं या पीछे से सींग मार देते है।

करोड़ों की लागत से निर्मित गौशालाएं बनकर रह गई शो पीस

लटेरी क्षेत्र सहित ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपए की लागत के गौशालाओं का निर्माण किया गया है। इन गौशालाओ के संचालन के नाम पर लाखो रुपए ग्राम पंचायतों द्वारा प्रति माह खर्च भी किए जा रहे हैं। लेकिन हकीकत ये है की ये गौशालाएं सिर्फ कागजों पर ही चल रही हैं।गौशालाएं जनप्रतिनिधियों की आय का का एक स्थाई साधन बन चुकी है बेबस गौमाता अपने पेट की भूख मिटाने के लिए रोड पर भटक रही हैं। प्रतिदिन कई गायों की मौत रोड एक्सीडेंटो में ही रही है लेकिन जिम्मेदार बेपरवाह है।

राजगढ़ के कुत्ते मचा रहे नगर में धमाल चौकड़ी

अभी कुछ दिन पहले राजगढ़ नगर पालिका द्वारा एक ट्राली कुत्तों की भरकर लटेरी की सीमा के आरी ताजपुरा गांव के पास छोड़ा गया था अब ये कुत्ते नगर में आतंक का पर्याय बन चुके हैं। सबसे जायदा इन कुत्तों से परेशानी सुबह सुबह मॉर्निंग वॉक पर घूमने जाने बालों एवं स्कूल जाने बच्चों को हो रही है। सबसे जायदा डर स्कूल जाने वाले बच्चों के पालकों में बना हुआ है कि कहीं हमारे बच्चों के साथ कोई अनहोनी घटना घटित ना हो जाएं।नगर परिषद को समय रहते इन आवारा कुत्तों को पकड़कर नगर की सीमा से बाहर छोड़ना चाहिए जिससे भविष्य में होने बाली किसी अनहोनी घटना को रोका जा सके।

आवारा पशुओं को लेकर नगरवासियों की राय

सब्जी मंडी और बाजार में आवारा पशुओं की समस्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है।समय रहते रोक नहीं लगाई तो एक हाथ में सामान और दूसरे हाथ में डंडा लेकर घर से निकलना पड़ेगा।जरा नजर हटाते ही ये पशु सामान के थैले में अपना मुंह मारकर नुकसान कर देते हैं।आवारा पशुओं के खोंफ़ से न राहगीर बल्कि दुकानदार भी परेशान रहते हैं।इनके द्वारा आए दिन किसी किसी ग्राहक राहगीर या दुकानदार को सींग मारकर घायल कर देते है।नगर परिषद को इन आवारा पशुओं की उचित व्यवस्था करनी चाहिए।

इनका कहना है

> नगर परिषद द्वारा आठ हेक्टर में विशाल गौशाला का निर्माण किया जा रहा है ।जल्द ही कार्य पूर्ण कर गायों को गौशाला में शिफ्ट किया जाएगा। और मेरा गौ पालकों से निवेदन है कि अपनी गायों को आवारा ना छोड़े इससे बाजार में एक्सीडेंट का अधिक खतरा रहता है ।आवारा कुत्तों की भी मुझे जानकारी मिली है जल्दी इन कुत्तों को पकड़कर नगर परिषद की सीमा से बाहर किया जायेगा।
>
> -अतू भंडारी
> विधायक प्रतिनिधि
> नगर परिषद लटेरी

पुण्यतिथि पर कंबल और दवाएं वितरित कर किया पौधारोपण

गंज बासौदा। पंचतत्व संरक्षण समिति के संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष स्व. राजेश तनवानी की पुण्य स्मृति में पंचतत्व द्वारा शासकीय आयुर्वेद औषधालय में एक आंवले के पौधे का रोपण कर वर्ष 2025 की शुरुआत की तथा इस अवसर पर 14 कंबल और 2 कार्टून दवाएं ओषधालय में नि:शुल्क वितरण के लिए दी गईं। पौधा पंचतत्व समिति ने उपलब्ध कराए , कंबल और ओषधियां तनवानी परिवार ने उपलब्ध कराई, ज्ञात हो पूर्व में भी में तनवानी की स्मृति में शासकीय अस्पताल के पीछे 40 पौधे लगाए गए थे जो आज पूर्ण रूप से विशालकाय पेड़ बन गए हैं, राजेश तनवानी को सभी उपस्थित लोगों ने याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की, इस अवसर पर आयुर्वेद औषधालय के डॉ. संजीव दोहारिया, राजीव श्रीवास्तव, पंचतत्व के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह दांगी, प्रमोद सिंह राजपूत, प्रवीण भावसार, मनोज राठौर, संजय भंडारी,बृजेन्द्र सिंह दांगी छोटे दादा व्यापार महासंघ के उम्मीदवार मनोज डागा, अजय जैन, मुकेश अरोरा,संजय भावसार, अशोक जैन, विशाल अग्रवाल (लकी), निर्विरोध कनिष्ठ उपाध्यक्ष अभिकांत वर्मा, सदस्य देवराज सिंह, सावन अग्रवाल, सुरेश तनवानी उपस्थित थे

मेट्रो एंकर बारिश के बाद ठंड का सितम, कड़ाके की ठंड ने जीना किया मुहाल, कोहरे के कारण हो रहीं दुर्घटनाएं

दिन में जले अलाव, 3 दिन बाद हुए सूर्य दर्शन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

तीन दिनों के बाद मौसम साफ हुआ सूर्य देवता ने भी दर्शन दिए पिछले दिनों हुई बारिश के बद ठंड का सितम जरूर बढ़ गया है इस वजह से ठंड से बचने के लिए लोग दिन में भी आग जलाकर हाथ सकते हो नजर आएं ठंडी हवाएं चलने से वाहन चालकों की हालत खराब हो रही है। रात में तो 4- 5 डिग्री के करीब टेंपरेचर पहुंच रहा है। वही दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा सभी जतन करके वाहनों को चलाने काम किया जा रहा है।फिर भी ठंड के कारण की हालत खराब हो रही है। ठंडी हवाएं चल रही है घरों से लेकर दिन में भी

लोग चौक-चौराहा दुकानों से सरकारी कार्यालय के बाहर भी अलावा जलाकर ठंड से बचने का प्रयास करते हुई नजर आए आने वाले दिनों में इसी तरह की सर्दी पढ़ने की संभावना मौसम ने जताई है। बीमारी से पीड़ित तथा बुजुर्गों को घरों में ही रहने की सलाह डॉक्टर के द्वारा दी जा रही है,सर्दी बढ़ने बदले से फसलों मैं भी रौनक आ रही है। वही सूर्य देवता के दर्शन कई दिनों के बाद हुए तो लोग धूप का आनंद लेते रहे।

कोहरे ने रोकी रफ्तार

गंजबासौदा। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में ठंड बढने और लगातार तेज कोहरे के चलते वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई है ठंड के कारण लोग अलाव पर हाथ सेकते नजर आए। कई जगह तो लोग दिनभर अलाव जलाते देखे गए। वहीं कोहरे के कारण दिल्ली की ओर से आने वाली ट्रेनें भी देरी से पहुंच रही है जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ठंड और कोहरे से लोगों की दिनचर्या में बदलाव हुआ है लोग देर तक रजाई में दुबके रहते है । अगर इसी तरह कोहरा लंबे समय तक पड़ता रहा तो किसानों की फसलों को नुकसान हो सकता है।

घने कोहरे के कारण दो ट्रक हु हादसे के शिकार एक डिवाइडर से टकराया दूसरा सड़क छोड़कर नीचे पहुंचा चालक परिचालक दोनों ही सुरक्षित

तेन्दूखेड़ा। तेन्दूखेड़ा दमोह मार्ग पर भी रफ्तार का कहर जारी है इस मार्ग पर भी लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं हादसों का कारण अंधे मोड़ और वाहनों की तेज रफ्तार है वहीं अब ठंड के साथ ही घना कोहरा भी इन हादसों की वजह बनने लगा है तो एक और चालक द्वारा वाहनों की रफ्तार पर कंट्रोल नहीं कर पाना भी है और वह हादसों के शिकार हो जाते हैं बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात को फिर सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 ओर दमोह तेन्दूखेड़ा मार्ग पर फिर एक बार घने कोहरे के कारण रफ्तार का कहर देखने को मिला है इन दोनों घटनाओं में वाहन सिर्फ छतिग्रस्त हुए हैं चालक परिचालक सभी सुरक्षित है पहला हादसा तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत दमोह मार्ग पर ग्राम बम्हौरी में हुआ है जहां पर टीकमगढ़ से गेहूं लेकर बैंगलोर जा रहा ट्रक क्रमांक न्न 67 0930 दरमियानी रात करीब तीन बजें घने कोहरे के कारण ट्रक सड़क के बीचों बीच बनी डिवाइडर से टकरा गया इस हादसे में डिवाइडर और ट्रक दोनों ही छतिग्रस्त हो गए ट्रक के चालक नरेंद्र गजाम और परिचालक सत्यम यूके ने बताया कि यह हादसा रात में हुआ है घना कोहरा छाया हुआ था और वाहन रफ्तार मैं था एक जानवर अचानक सामने आ गया और उसे बचाने के चक्कर में ट्रक डिवाइडर से टकरा गया वहीं दूसरा हादसा तेन्दूखेड़ा पाटन सीमा क्षेत्र में हुआ है जहां पर छतरपुर में महाराष्ट्र जा रहा ट्रक कोहरे के कारण सड़क छोड़कर नीचे उतर गया इस हादसे में ट्रक के चालक और परिचालक दोनों ही सुरक्षित है चालक ने बताया कि घाट पर सुबह पांच बजे घाट उतरते समय यह हादसा हुआ है घना कोहरा होने के कारण हादसा हुआ है जिस स्थान पर यह हादसा हुआ है वहां पाटन थाना क्षेत्र की सीमा लगती है इन दोनों घटनाओं की पुलिस जांच कर रही है।

45 साल में पहली बार घर में लगातार तीन मैच हारा मैनचेस्टर यूनाइटेड

मैनचेस्टर. एजेंसी

इंग्लैंड के शीर्ष क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए साल 2024 अच्छा नहीं रहा। टीम ने इस सीजन सभी टूर्नामेंटों में निराशाजनक प्रदर्शन किया। इंग्लिश प्रीमियर लीग में खेले गए मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को अपने घरेलू मैदान पर न्यूकैसल यूनाइटेड के हाथों 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर यह मैनचेस्टर यूनाइटेड की लगातार तीसरी हार है जो कि घरेलू मैदान पर 45 साल में उसका सबसे निराशाजनक प्रदर्शन है। इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड पर प्रीमियर लीग से रेलिगेट होने का खतरा मंडरा रहा है।

रेलिगेशन की दहलीज पर खड़ा लीग का शीर्ष फुटबॉल क्लब

52 साल में दूसरी बार दी मात

न्यूकैसल यूनाइटेड ने 1972 के बाद ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर मेजबान मैनचेस्टर यूनाइटेड को महज दूसरी बार हराया है। न्यूकैसल ने चौथे ही मिनट में एलेक्जेंडर इसाक के शानदार गोल से मेजबान पर 1-0 की बढ़त बना ली। जोएलिंतोन ने 19वें मिनट में दूसरा गोल कर न्यूकैसल को 2-0 की बढ़त दिला दी जो अंत तक कायम रही।

आर्सनल ने ब्रेंटफोर्ड को 3-1 से दी मात

लंदन। आर्सनल ने बुधवार रात यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग मुकाबले में ब्रेंटफोर्ड को 3-1 से करारी शिकस्त दी। आर्सनल ने इसके साथ ही जीत की हैट्रिक लगाई और वह 39 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर कायम है। आर्सनल के लिए गेब्रियल जीसस, मिकेल मेरिनो और गेब्रियल मार्टिनेली ने एक-एक गोल किया। वहीं, ब्रेंटफोर्ड को पिछले चार मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा। टीम 24 अंकों के साथ तालिका में 12वें स्थान पर मौजूद है।

दुनिया देखेगी हमारी मेहमाननवाजी...

नई उमंगे: 2025 में एथलेटिक्स और क्रिकेट सहित कई बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी करेगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत में इस साल निशानेबाजी का भी एक बड़ा इवेंट होगा। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को जूनियर शूटिंग विश्व कप की मेजबानी सौंपी है। हालांकि अभी इसकी तारीख घोषित नहीं की गई है। संभावना है कि यह विश्व कप सितंबर-अक्टूबर या फिर अक्टूबर-नवंबर में हो सकता है। भारत 10 साल में नौंवी बार किसी विश्व कप की मेजबानी करेगा। भारत चौथी बार महिला वनडे विश्व कप की मेजबानी करने जा रहा है। यह आयोजन सितंबर-अक्टूबर में होगा। भारत ने इससे पहले 1978, 1997 और 2013 में महिला विश्व कप की मेजबानी की है। हालांकि इस बार भारत और पाकिस्तान के बीच हाई-प्रोफाइल मैच तटस्थ स्थल पर खेला जाएगा। बीसीसीआइ और आइसीसी के बीच हुए समझौते के तहत ऐसा होगा।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप

दिल्ली में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक विश्व के सबसे बड़े पैरा स्पोर्ट्स इवेंट पैरा एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन होगा। टूर्नामेंट जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में होगा। चैंपियनशिप का यह 12वां संस्करण होगा।

भारत एशिया का चौथा देश

भारत विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला एशिया का चौथा देश बनेगा। इस इवेंट के जरिए भारत के पास अपनी मेहमाननवाजी पूरी दुनिया को दिखाने का अच्छा मौका होगा। इससे पहले भारत ने 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। इससे पहले भारत को वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री की जिम्मेदारी भी दी गई है जो कि 11 से 13 मार्च तक होगी।

13 जनवरी से शुरू होगा खो-खो विश्व कप

खो-खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी भारत करने जा रहा है। 13 से 19 जनवरी तक होने वाले इस विश्व कप में पुरुष वर्ग में 20 और महिला वर्ग में 19 टीमें शिरकत करेंगी। इस इवेंट का आयोजन भी दिल्ली में होगा।

विश्व एथलेटिक्स में खिताब बचाने उतरेंगे नीरज

पेरिस में 25 से 31 अगस्त तक बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इसमें पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन पर उम्मीदों का दारोमदार होगा। इन दोनों की नजरें पहली बार विश्व चैंपियन बनने और इतिहास बनाने पर होंगी।

सिडनी टेस्ट : भारत पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट, पंत ने 40 रन बनाए

सिडनी. एजेंसी

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गई है। टीम की ओर से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया। भारत ने 168 रन के स्कोर पर 9वां विकेट गंवा दिया है. प्रसिद्ध कृष्णा बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में सैम कोंस्टस को कैच थमा बैठे, उन्होंने सिर्फ 3 रन बनाए. जसप्रीत बुमराह अभी 12 रन बनाकर खेल रहे हैं. वाशिंगटन सुंदर 14 रन बनाकर आउट हो गए हैं. अब भारतीय टीम ने 67 ओवर के खेल में 8 विकेट के नुकसान पर 150 रन बना लिए हैं. जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा डटे हुए हैं. रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हो गए हैं. भारतीय टीम ने 134 रन के स्कोर पर सातवां विकेट गंवा दिया है. वाशिंगटन सुंदर अभी तक अपना खाता नहीं खोल पाए हैं और नए बल्लेबाज प्रसिद्ध कृष्णा क्रीज पर आए हैं. भारतीय टीम के 6 विकेट गिर चुके हैं और अभी रवींद्र जडेजा-वाशिंगटन सुंदर क्रीज पर मौजूद हैं.

मेट्रो बाजार

बड़े कर्जदार संपत्ति बनाने और छोटे रोजमर्रा का खर्च चलाने ले रहे लोन

मुंबई, एजेंसी

कर्ज लेने वाले लोगों की संख्या देश में लगातार बढ़ रही है। आरबीआइ की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों में भारतीय परिवारों के कर्ज में वृद्धि दर्ज की गई है। जून, 2024 में मौजूदा बाजार मूल्यों पर जीडीपी का 42.9त्न कर्ज भारतीय परिवारों पर था। यह अन्य उभरते देशों की तुलना में काफी कम है। आरबीआइ ने कहा, छोटे कर्जदार जहां रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए कर्ज ले रहे हैं, वहीं बड़े उधारकर्ता लोन लेकर संपत्तियां बना रहे हैं। खासकर मकान के लिए बड़े कर्जदाता उधारी ले रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, क्रेडिट कार्ड व पर्सनल लोन लेने वाले करीब आधे उधारकर्ताओं के पास एक और रिटेल लोन पहले से ही है। इस तरह के कर्ज अक्सर ज्यादा रकम वाले होते हैं, जो हाउसिंग

या वाहन या दोनों होते हैं। इन बड़े और सुरक्षित ऋणों की तुलना में छोटे पर्सनल लोन में एनपीए का ज्यादा खतरा होता है। सबसे ज्यादा डिफॉल्ट अधिकतर असुरक्षित लोन में होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, चूक का जोखिम उन उधारकर्ताओं में ज्यादा है, जिन्होंने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड बकाया के अलावा कोई अन्य खुदरा लोन लिया है।

...तो सारे लोन हो जाएंगे एनपीए: अगर आपने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं चुकाया, तो आपके होम लोन या कार लोन पर भी मुसीबत आ सकती है। आरबीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप छोटे कर्ज पर डिफॉल्ट करते हैं, तो बैंक आपके सभी कर्ज को एनपीए मान सकते हैं। सबसे ज्यादा डिफॉल्ट पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे बिना गारंटी वाले कर्ज में होते हैं। इकोनॉमी की धीमी रफ्तार ने लोगों की आमदनी पर असर डाला है, जिससे लोन लेने वालों के लिए इसे चुकाना मुश्किल हो गया। मौजूदा वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों में (अप्रैल से अक्टूबर तक) बैंकों के गोल्ड लोन में 56 फीसदी का इजाफा देखा गया। सोने के दाम में तेजी आई तो लोगों ने घरेलू खर्चों, स्कूल के खर्च और अस्पताल का खर्च पूरा करने के लिए अपने सोने को गिरवी रख दिया। लोगों ने लोन चुकाने में चूक कर दी क्योंकि उन्हें लगा कि लोन की राशि खरीद मूल्य से ज्यादा है। इससे अक्टूबर 2024 तक बैंकों का गोल्ड लोन बकाया 1,54,282 करोड़ रुपए हो गया, जो मार्च 2024 में 1,02,562 करोड़ रुपए था। आरबीआइ की रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकों का एनपीए 12 साल के निचले स्तर 2.6 फीसदी पर है, पर किसानों का लोन डिफॉल्ट बढ़ता जा रहा है।

यूपीआइ से रेकॉर्ड 16.73 अरब लेनदेन, जीएसटी कलेक्शन 7.3 फीसदी बढ़कर 1.77 लाख करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी

साल के पहले दिन अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। देश में जीएसटी कलेक्शन दिसंबर में 7.3 फीसदी बढ़कर 1.77 लाख करोड़ रुपए रहा, जो दिसंबर 2023 में 1.65 लाख करोड़ रुपए रहा था। हालांकि यह संग्रह नवंबर, 2024 से कम है जब सरकार के खजाने में 1.82 लाख करोड़ रुपए आए थे। बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, केंद्रीय जीएसटी कलेक्शन 32,836 करोड़ रुपए राज्य जीएसटी 40,499 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 47,783 करोड़ रुपए और सेस 11,471 करोड़ रुपए रहा। दिसंबर महीने में घरेलू ट्रांजैक्शन से जीएसटी 8.4 फीसदी बढ़कर 1.32 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि आयात पर टैक्स से हासिल रेवेन्यू करीब 4 फीसदी बढ़कर 44,268 करोड़ रुपए हो गया। साल 2024 में जीएसटी से सरकारी खजाने में करीब 21.50 लाख करोड़ रुपए आए। औसत मासिक जीएसटी कलेक्शन 1.79 लाख करोड़ रुपए रहा। बंपर जीएसटी संग्रह से साथ दिसंबर में यूपीआइ लेनदेन का भी नया रेकॉर्ड बना। पिछले माह कुल 16.73 अरब यूपीआइ ट्रांजेक्शन हुए, जिसमें 23.25 लाख करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

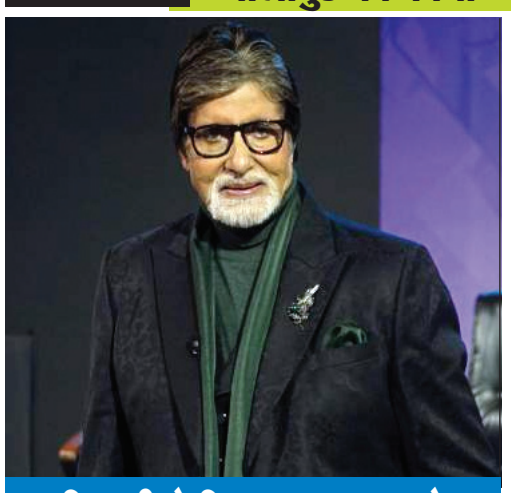

बिग बी ने दिया सुपरस्टार को मशवरा, 50 साल की उम्र तक करते रहना काम, फिर चाहे जो हो अंजाम

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन को हर कोई पसंद करता है, फिर चाहे प्रशंसक हो या अभिनेता। साउथ हो या बॉलीवुड हर कोई बिग बी को तहे दिल से चाहता है। एक बार अमिताभ बच्चन ने एक सुपरस्टार को सलाह दी थी कि वह 50 साल की उम्र तक आराम से काम करते रहें फिर चाहे अंजाम कुछ भी हो। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन का हर कोई दीवाना है। उनकी एक झलक पाने के लिए उनके घर जलसा के बाहर अक्सर लाखों की तादाद में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ आती है। लेकिन क्या आपको पता है कि एक बार बिग बी ने एक साउथ सुपरस्टार को एक मशवरा दिया था कि वह 50 की उम्र तक बिना झिझक के काम करते रहे, फिर चाहे कुछ भी हो। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमिताभ बच्चन और रजनीकांत के बीच गहरा रिश्ता है। अमिताभ बच्चन ने रजनीकांत से एक बार कहा था कि 50 साल की उम्र तक व्यस्त रहो। फिर चाहे लोग कुछ भी कहें, इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज अमिताभ बच्चन और रजनीकांत के बीच एक ऐसा रिश्ता है जिसके बारे में बात करना प्रशंसकों को बहुत पसंद है। 1980 के दशक में, रजनीकांत तमिल सिनेमा में ब्लॉकबस्टर हिट के साथ प्रसिद्ध हुए, जिनमें से कई अमिताभ की हिंदी क्लासिक्स से प्रेरित थीं। दोनों हाल ही में वेट्टैयान के लिए दशकों बाद फिर से साथ आए, जो अमिताभ की तमिल डेब्यू भी थी। मजेदार बात यह है कि रजनीकांत ने 2019 के एक इंटरव्यू में बताया कि अमिताभ की एक सलाह इतने सालों तक उनके साथ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, महानायक बिग बी ने अपने दोस्त सुपरस्टार रजनीकांत को यह सलाह देते हुए कहा, हमें खुद को व्यस्त रखना चाहिए। यह सबसे महत्वपूर्ण है, खासकर जब आप 50 या उससे अधिक उम्र के हो जाते हैं। उन्होंने अमिताभ को एक महान प्रेरणा कहा और शेयर किया कि कैसे दिग्गज अभिनेता अक्सर उन्हें दूसरों की राय की चिंता किए बिना वही करने के लिए कहते हैं।

मालदीव में छुट्टियां मना रहे हैं शाहिद कपूर, फैंस बोले- हमें तो है 'देवा' का इंतजार

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत अपने बच्चों जैन और मीशा के साथ नए साल का स्वागत मालदीव में छुट्टियां मनाकर कर रहे हैं। मीरा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जन्मदिन की तस्वीरें साझा की हैं। मीरा राजपूत ने तस्वीरों में लिखा- मेरे साथ आओ। तस्वीर में शाहिद कपूर अपनी पत्नी का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। मीरा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी म्यूजिकल शाम की तस्वीरें साझा की हैं, जहां वे एंजॉय कर रही हैं। मीरा ने बीच के किनारे अपने बच्चों के साथ एंजॉय कर रही हैं, उन्होंने सभी की चप्पलों की तस्वीरें साझा कर ये बताया है। शाहिद कपूर परिवार के साथ समय बिताना पसंद करते हैं। वे अक्सर पत्नी मीरा संग तस्वीर साझा करते रहते हैं। शाहिद ने अब अपने बच्चों के साथ मालदीव में नए साल का जश्न मनाया है। मीरा राजपूत की तस्वीर को शाहिद और मीरा के फैंस ने बहुत पसंद किया है। फैंस ने मीरा की ब्रेसलेट पर भी ध्यान दिया है, उन्होंने कहा- मेरे पास भी ये ब्रेसलेट है। इन तस्वीरों में फैंस ने देवा फिल्म को देखने के लिए भी अपनी उत्सुकता दिखाई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहिद कपूर की फिल्म देवा इस साल बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली है। इसमें वे पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगे। शाहिद को इससे पहले फटा पोस्टर निकला हीरो फिल्म में भी पुलिस अधिकारी की वर्दी में देखा जा चुका है। फिल्म देवा 31 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाली है।

बॉक्स ऑफिस पर कायम है 'पुष्पराज' के तेवर, 'मुफासा' की गूंजी दहाड़, पस्त पड़ी 'बेबी जॉन'

नए साल की शानदार शुरुआत हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई फिल्मों को देखने के लिए अभी भी फैंस सिनेमाघर पहुंच रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर जहां पुष्प राज को कोई झुका नहीं पा रहा है। वहीं, मुफासा की दहाड़ सुनने को भी फैंस जा रहे हैं। वरुण धवन की बेबी जॉन की कमाई में लगातार गिरावट आ रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पहले ही अपना दम तोड़ चुकी है। पुष्पा- 2 द रूल बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। फिल्म ने 29वें दिन 5.1 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की है। फिल्म ने रिलीज के चौथे हफ्ते में 69.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर किया है। बॉक्स ऑफिस पर कुल 1189.85 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

पुष्प राज का छाया है जादू: पुष्प राज का जादू बॉक्स ऑफिस पर अभी भी बरकरार है। फिल्म ने इससे पहले साउथ की सबसे हिट रही फिल्म बाहुबली 2 का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अल्लू अर्जुन पिछले काफी समय से फिल्म और संध्या थिएटर में हुए भगदड़ मामले के कारण काफी चर्चा में हैं। हालांकि, विवादों के बीच भी पुष्प राज को फैंस अपना प्यार दे रहे हैं।

बेबी जॉन: वरुण धवन और कीर्ति सुरेश की फिल्म बेबी बॉन ने अपनी रिलीज के 9वें दिन तो जैसे दम ही तोड़ दिया है। फिल्म ने बॉक्स ऑफ पर 1 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 36.40 करोड़ रुपये की कमाई की है।

मुफासा- द लायन किंग: मुफासा की दहाड़ बॉक्स ऑफिस पर अभी भी बेहद शानदार तरीक से गूंज रही है। मुफासा- द लॉयन किंग ने अपनी रिलीज के 14वें दिन 2.9 करोड़ रुपये की कमाई की है। हिंदी बेल्ट में फिल्म ने अपनी रिलीज के दो हफ्ते पूरे कर लिए हैं। दो हफ्तों में फिल्म ने कुल 124.6 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म ने हिंदी बेल्ट में 44.15 करोड़ रुपये की कमाई बॉक्स ऑफिस पर कर ली है।

सायबर सेल की कार्रवाई, मुख्य जालसाज फरार

करीबी का एक्सीडेंट हो जाने का झांसा देकर 90 हजार की ठगी

अकाउंट बेचने वाला नरसिंहपुर से गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साइबर क्राइम ब्रांच की ने कमीशन पर अपना बैंक अकाउंट साइबर जालसाज को बेचने वाले अकाउंट होल्डर को नरसिंहपुर से गिरफ्तार किया है। सायबर ठगों ने महिला के साथ ठगी कर कमीशन पर खरीदे बैंक अकाउंट में ठगी की रकम ट्रांसफर कराई थी। आरोपी ने खुद को महिला का परिचित होने और इमरजेंसी का बहाना बनाकर 89 हजार 775 रुपए उक्त बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए। सायबर सेल ने इस मामले में धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक खाते की डिटेल के आधार पर सायबर पुलिस नरसिंहपुर पहुंची और कमीशन पर खाता बेचने वाले आरोपी को दबोच लिया, जबकि ठगी करने वाले मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक महिला ने शिकायत करते हुए बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें कॉल किया और परिचित बताकर एक्सीडेंट होने का झांसा दिया था।

उसने 89 हजार 775 रुपए की ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए थे। शिकायत की

जांच के बाद कॉलिंग मोबाइल नंबर व बैंक खातों का वास्तविक इस्तेमाल करने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की गई।

जांच में पता चला कि पर्व प्रजापति निवासी नरसिहंपुर, ने कमीशन लेकर अपना बैंक खाता सायबर ठगों को बेच दिया था। सायबर जालसाजों के किए फ्राड की राशि बैंक अकाउंट होल्डर पर्व प्रजापति के खाते में ट्रांसफर की गई।

लिहाजा प्रकरण से संबंधित अहम जानकारी मिलते ही सायबर पुलिस ने बैंक अकाउंट होल्डर पर्व प्रजापति (25) निवासी बृज भवन, इतवारा रोड नरसिंहपुर को नरसिंहपुर से हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से उसका मोबाइल जब्त किया है। आरोपी स्नातक तक पढ़ा है और प्राइवेट नौकरी करता है। पुलिस का कहना है कि एक अन्य बैंक खाता धारक दीपक शर्मा को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

पांच दिन में 5 लाख का हो चुका है ट्रांजेक्शन

पुलिस ने बताया कि आरोपी पर्व प्रजापति के जिस अकाउंट में ठगी की रकम 89 हजार 775 रुपए ट्रांसफर की गई, उसमें पांच दिन के अंतराल में करीब 5 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है। आरोपी अकाउंट के अलावा अन्य लोगों से की ठगी की राशि भी उक्त खातों में ट्रांसफर की गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी खुद को परिचित और इमरजेंसी होने का बोलकर बैंक खातों में राशि ट्रांसफर करा लेता है। यह वहीं बैंक खाते होते हैं जो कमीशन देकर खरीदे गए हैं। आरोपी बैंक अकाउंट होल्डर पर्व ने अपना बैंक खाता कमीशन लेकर सायबर जालसाजों को बेच दिया था।

ठगी की राशि कमीशन पर लिए गए बैंक अकाउंट में ही ट्रांसफर कराई जाती है। दो से तीन बैंक खातों में राशि ट्रांसफर कर सायबर ठग एटीएम मशीन के माध्यम से राशि विड्राल कर लेते हैं।

ऐसे भरोसे में लेते हैं

पुलिस ने बताया कि सायबर ठगी करने वाले जालसाज खुद को परिचित बताकर ठगी करते हैं। फरियादी सीधे तौर पर कॉल करने वाले को नहीं जानते। बल्कि वह महिला के किसी तीसरे परिचित होने का झांसा देते हैं। पिता अथवा अन्य करीबी का एक्सीडेंट होने का डर दिखाकर पैसे ट्रांसफर करा लिए जाते हैं। महिला जब एक्सीडेंट होने वाले व्यक्ति को कॉल करता है तो उसका मोबाइल बंद मिलता है।

कार की टक्कर से घायल युवक की हुई मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरागढ़थाना क्षेत्र स्थित आकाश गार्डन चौराहा पर गत दिनों कार की टक्कर से घायल हुए युवक की गुरुवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। आज मृतक का पीएम कराने के बाद शव परिजन को सौंपा जाएंगा।

पुलिस के अनुसार रतन उर्फ विराज मीना पिता जगदीश मीना (29) माता मंदिर के पास बैरागढ़ कलां में रहते हैं और निजी वाहन चलाते हैं। 22 दिसंबर की रात करीब 8 बजे वह अपने दोस्त दीपक अहिरवार के साथ बाइक से लालघाटी होते हुए बैरागढ़ कलां जा रहे थे। बाइक बैरागढ़ कला निवासी दीपक अहिरवार पिता कैलाश अहिरवार चला रहा था।

आकाश गार्डन चौराहा पर बैरागढ कलां की तरफ मुड़ने के लिए दीपक ने बाइक टर्न की तभी सीहोर की तरफ से आ रही एक कार के चालक ने अपनी कार तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से रतन और दीपक बाइक समेत नीचे गिर गए। टक्कर लगने से दीपक अहिरवार को सिर एवं अन्य जगह गंभीर चोट आईथी। जबकि रतन को मामूली चोटथी।

बाइक की टक्कर से घायल हेयर सलून संचालक की मौत

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित रमगढ़ा-भोजापुरा सड़क पर गत 24 दिसंबर को दो बाइक आपस में टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार दोनों ही युवकों को गंभीर चोट आई थी। दोनों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। बुधवार शाम इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरी बाइक चला रहे युवक की हालत गंभीर है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार विनोद सेन पिता मोहन सेन (55) गांव बड़ोदिया जागीर, राजगढ़ का था। उसकी गांव में हेयर सलून थी। गत 24 दिसंबर को वह काम से बैरसिया आया था और रात में काम निपटाकर अपने गांव लौट रहा था। रमगढ़ा-भोजापुरा गांव में उसकी बाइक को सामने से आ रही बाइक के चालक ने तेजी और लापरवाही से बाइक चलाते हुए टक्कर मार दी थी।

बंसल वन मॉल के रेस्टोरेंट मैनेजर ने महिला समेत ग्राहकों से की मारपीट

भोपाल। रानी कमलापति स्टेशन परिसर स्थित रेस्टोरेंट के मैनेजर ने अपने स्टॉफ के साथ मिलकर खाना खाने आए लोगों से मारपीट की। जिन लोगों से मारपीट की गई, उनमें एक महिला भी शामिल है। जीआरपी थाना रानी कमलापति ने रेस्टोरेंट मैनेजर समेत चार के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार वल्लभ नगर निवासी ईश्वर पाल (28) विगत दो जनवरी को एक महिला मित्र व एक अन्य दोस्त के साथ रानी कमलापति स्टेशन परिसर स्थित रेस्टोरेंट में खाना खाने गए थे। रेस्टोरेंट में उन लोगों ने थाली का आर्डर दिया था। खाना खाने के दौरान ईश्वर पाल ने वेटर से एक्सट्रा चावल की प्लेट मांगी। इस पर वेटर ने उनसे टोकन मांगा। ईश्वर पाल ने न तो टोकन दिया और न ही टोकन लिया। वेटर ने चावल देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर वेटर महिला मित्र सावनी से विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर रेस्टोरेंट का मैनेजर जय पटेल स्टॉफ के साथ वहां आ धमका और गाली-गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने लात-मुक्कों व डंडे से ईश्वर पाल व दोस्तों के साथ मारपीट की। ईश्वर पाल व उसके दोस्तों ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। जीआरपी थाना रानी कमलापति ने ईश्वर पाल की शिकायत पर 24-7 रेस्टोरेंट के मैनेजर जय पटेल व तीन अन्य के खिलाफ मारपीट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

ट्रेन से आउटर पर उतरे छात्र से मोबाइल और पर्स झपटा

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित निशातपुरा आउटर के पास झाड़ियों में बैठे दो बदमाशों ने प्रतियोगी परीक्षा देकर लौट रहे छात्र का मोबाइल और पर्स झपट लिया। घटना 17 दिसंबर की बताई जा रही है। छात्र ने पुलिस को शिकायती आवेदन दिया था। पुलिस ने आवेदन जांच के बाद अज्ञात लुटेरों के खिलाफ झपटमारी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार रविदास नगर, इंद्रपुरी पिपलानी निवासी 30 साल का लक्ष्मीकांत दुबे मूलत- सिंगरौली का रहने वाला है। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है और इंद्रपुरी में रहता है। उसने पुलिस को बताया कि गत 17 दिसंबर की शाम परीक्षा देकर भोपाल लौटा?था। निशातपुरा आउटर पर ट्रेन रुकी वह ट्रेन से उतरकर पैदल उतरकर मुख्य रोड की तरफ जा रहा था। रेलवे ट्रैक पर झाड़ियों के पास बैठे दो युवकों ने उसे रोका और पचास रुपए मांगने लगे। लक्ष्मीकांत दुबे ने कहा कि उसके पास खुल्ले पैसे नहीं है। कहीं से खुल्ले करा दो और पचास रुपए ले लो। इस पर आरोपी भड़क गए और एक ने पर्स झपट लिया, जबकि दूसरे ने मोबाइल छीन लिया। पर्स में 700 रुपए की नगदी थी, जबकि लूटे गए मोबाइल की कीमत करीब दस हजार रुपए है।

कार का कांच तोड़कर लैपटॉप , मोबाइल चोरी

हबीबगंज स्थित बिट्टन मार्केट में मेट्रो प्लाजा के सामने की घटना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित बिट्टन मार्केट मेट्रो प्लाजा के सामने खड़ी कार का कांच तोड़कर अज्ञात बदमाश अंदर रखा लैपटॉप और मोबाइल चुराकर ले गए। घटना गत सोमवार 30 दिसंबर की है। पुलिस ने शिकायती आवेदन की जांच के बाद चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मेट्रो प्लाजा में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले, लेकिन कार उन कैमरों के दायरे में नहीं थी। पुलिस आसपास अन्य सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस के अनुसार शाहपुरा निवासी 45 साल के लोकेश अवस्थी, ऑटो

मोबाइल कंपनी में नौकरी करते हैं। गत 30 दिसंबर की रात वह बिट्टन मार्केट सब्जी खरीदने पहुंचे। उन्होंने मेट्रो प्लाजा के पास पार्किंग में अपनी कार खड़ी की और उसमें लैपटॉप समेत मोबाइल रखकर सब्जी खरीदने चले गए। वे करीब साढ़े 8 बजे मार्केट गए थे। वहां से तीस मिनट बाद लौटे तो ड्राइवर सीट के पीछे वाली खिड़की का कांच टूटा हुआ था, वहीं अंदर रखा लैपटॉप और मोबाइल नहीं था। अज्ञात बदमाश कार कांच तोड़कर लैपटॉप और मोबाइल वाला बैग चुराकर ले जा चुका था।

डाक्टर की कार से टायर चुराए,पत्थर पर कार टिकाकर चंपत हुए चोर

भोपाल। अरेरा कॉलोनी स्थित ई-7 में अज्ञात बदमाश घर के सामने खड़ी डॉक्टर की केटा कार के दो टायर चुराकर ले गए। चोरी गए टायर की कीमत बीस हजार रुपए है। डॉक्टर ने घटना की शिकायत हबीबगंज थाने पहुंचकर की थी। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस टायर चुराने वाले चोरों का पता लगा रही है। पुलिस के अनुसार ई-7, अरेरा कॉलोनी निवासी डॉक्टर पुष्पराज सिंह तोमर आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 27 दिसंबर की रात उन्होंने अपनी कार घर के सामने खड़ी की थी। अगले ही दिन सुबह उनकी नजर कार पर पड़ी तो ड्राइवर साइड के दोनों टायर निकले हुए थे।

बैंककर्मी के सूने घर से दो लाख नगदी व तीन लाख के जेवर चोरी

घटना के समय ड्यूटी पर गए थे पति-पत्नी, पड़ोसन ने दी सूचना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार थाना क्षेत्र स्थित राजहर्ष कॉलोनी में बैंककर्मी दंपति के सूने मकान पर धावा बोलकर अज्ञात चोर दो लाख रुपए नगदी व कीमती आभूषण समेत करीब पांच लाख रुपए के माल पर हाथ साफ कर गए। घटना के समय दंपति ड्यूटी पर गए हुए थे। पड़ोस में रहने वाली महिला ने उन्हें घर में चोरी होने की सूचना मोबाइल पर दी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने दिनदाहड़े पांच घंटों के दौरान वारदात को अंजाम दिया। नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की खोजबीन की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक शकुंतला नगर राजहर्ष कॉलोनी निवासी सुमित दुबे (35) बैंक ऑफ महाराष्ट्र इच्छावर जिला सीहोर में नौकरी करते हैं। उनकी पत्नी अंकिता त्रिवेदी भी बैंक ऑफ महाराष्ट्र अरेरा हिल्स में पदस्थ हैं। विगत एक जनवरी की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अपनी पत्नी के साथ घर में ताला लगाकर नौकरी पर चले गए थे। शाम करीब साढ़े चार बजे घर के सामने रहने वाली रिंकी श्रीवास ने सुमित दुबे को कॉल कर बताया कि आपके घर का दरवाजा खुला हुआ है। तब उन्होंने रिंकी भाभी से कहा कि दीपक भैया को भेजकर दिखवा लो। रिंकी श्रीवास के पति दीपक श्रीवास ने दुबे दंपति के घर जाकर देखा तो बाहर का ताला टूटा मिला। भीतर सारा सामान बिखरा पड़ा था। सूचना मिलते ही दुबे दंपति फौरन घर आ गए। उन्होंने देखा कि अलमारी का ताला टूटा हुआ है और उसके लॉकर में रखे दो लाख रुपए नगद तथा सोने-चांदी के आभूषण गायब है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। अज्ञात बदमाश सूने घर को निशाना बनाकर दो लाख नगद व सोने-चांदी के आभूषण व बलीनो कार की चाबी समेत करीब पांच लाख रुपए का सामान चुरा ले गए। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पतारसी के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक किए जा रहे हैं।

किसान के मकान से जेवरात चोरी

इधर, पिपलानी पुलिस ने बताया कि मनीष श्रीवास्तव (42) अनादि विला, शिवलोक ग्रीन फेस-6 खजूरी कलां में रहते हैं। वे मूलत- गांव आमखेड़ा, सूखा तहसील नटेरन, जिला विदिशा के हैं और वहां उनका खेत है।

मेट्रो एंकर आरजीपीवी नव आरक्षकों को देगा डिजिटल दक्षता

एमओयू पर पीटीआई व आरजीपीवी कुलपति ने हस्ताक्षर किए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस प्रशिक्षण शाला, भौंरी, भोपाल और राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के बीच गुरुवार को समझौता (एमओयू) पर हुआ है। समझौते के तहत पांच वर्ष तक पुलिस प्रशिक्षण शाला में नव आरक्षकों को आरजीपीवी की तरफ से डिजिटल दक्षता दी जाएगी। एमओयू पर पुलिस प्रशिक्षण शाला, भौंरी की पुलिस अधीक्षक रश्मि पांडेय और आरजीपीवी के कुलपति राजीव त्रिपाठी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) सुश्री सोनाली मिश्रा, मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल के डायरेक्टर, पुलिस प्रशिक्षण शाला भौंरी के निरीक्षक संजीव मारोन,

आरजीपीवी के कुल सचिव डॉ. मोहन सेन और स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर जितेंद्र वर्मा उपस्थित रहे।

इस पहल का उद्देश्य नव आरक्षकों को वर्तमान समय की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप कंप्यूटर का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है, ताकि पुलिस बल के मैदानी कार्यों को अधिक प्रभावी और सुगम बनाया जा सके। यह एमओयू दोनों संस्थानों के प्रमुखों के समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

प्रशिक्षण में इन बातों पर दिया जोर

प्रशिक्षण कार्यक्रम मार्च 2025 से शुरू होगा, जिसमें नव आरक्षकों का बैच शामिल होगा।

प्रशिक्षण से नव आरक्षकों को डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुसार कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी।

यह समझौता राज्य पुलिस बल की दक्षता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पुलिस का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से गठबंधन है जिसमें अम्बेडकर विश्वविद्यालय महू, एनएलयू भोपाल एवं दिल्ली, जागरण लेक सिटी भोपाल, टाटा सोशल साइंसेज मुम्बई, शेफील्ड हेलाम यूनिवर्सिटी यूके से एमओयू के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां प्रचलित हैं।

एएसआई के बेटे से अड़ीबाजी, चाकू से हमला

पुलिस लाइन के पास की घटना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित दुर्गा मंदिर के पास बदमाशों ने एएसआई के बेटे से शराब के लिए अड़ीबाजी करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अड़ीबाजी और चाकूबाजी का प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 59 साल के भगवानदास तिवारी, पुलिस लाइन नेहरू नगर में रहते हैं और पुलिस विभाग में एएसआई है। 31 दिसंबर की रात करीब साढ़े 11 बजे उनका 28 साल का बेटा राहुल तिवारी अपने दोस्त अलीम खान व अन्य दोस्तों से मिलकर घर लौट रहा था। दुर्गा मंदिर के पास नेहरू नगर पुलिस

लाइन पहुंचते ही वहां पर बैठे अंशु डेहरिया, सूजल सिरवैया, जय शुक्रवारे उर्फ बच्ची और अभिषेक चौहान ने उसे रोक लिया। राहुल के रुकते ही आरोपी शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगे। रुपए नहीं देने पर उन्होंने गालीगलौज शुरू कर दी। गाली देने से मना करने पर आरोपियों उससे मारपीट शुरू कर दी। राहुल ने घटना की जानकारी मोबाइल पर अपने पिता को दी। वे मौके पर पहुंचे उस समय विवाद चल रहा था। भगवान दास तिवारी ने अंशु डेहरिया, सूजल सिरवैया, जय शुक्रवारे और अभिषेक चौहान को समझाने का प्रयास किया।

शराब खरीदते समय लगा धक्का, धारदार हथियार से हमला

भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र स्थित डीआईजी बंगला चौराहा पर कलारी से शराब खरीद रहे युवक पर दो आरोपियों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। दरअसल, युवक कलारी पर शराब खरीद रहा?था, तभी बगल में खड़े बदमाश को धक्का लग गया। इसी बात को लेकर कहासुनी से विवाद बढ़ा और बदमाशों ने मारपीट करते हुए युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उसे गाल के पास गहरी चोट लगी है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अश्वनी बुंदेला पिता अशोक कुमार (40) काली मंदिर के पास, मस्जिद वाली गली टीलाजमालपुरा में रहते हैं और कांच फिटिंग का करते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022